ज्ञान विचार
बिना किताबों के जो पढ़ाई सीखी जाती है उसे जिंदगी कहते हैं।

PKL NO.KKR/184/2024-26
हिन्दी पाक्षिक राष्ट्रीय समाचार पत्र
सच्ची व स्टीक खबर, आप तक

गजब हरियाणा

सम्पादक : जरनैल सिंह
सह संपादिका : सृष्टि देवी
छायाकार : राजरानी

Contact : 91382-03233
HAR/HIN /2018/77311

WWW.GAJABHARYANA.COM ✸ 01 जून 2025 वर्ष : 8, अंक : 05 पृष्ट : 8 मूल्यः 7/- सालाना 150/- रुपये ✸ email. gajabharyananews@gmail.com

सीएम नायब सिंह सैनी की अपील, रासायनिक खाद की बजाय प्राकृतिक खेती को अपनाएं किसान

प्राकृतिक खेती के लिए देसी गाय की खरीद पर सरकार दे रही 30,000 रुपये की सब्सिडी, मुख्यमंत्री ने कुरुक्षेत्र के बिहोली गांव में राजकीय पशु चिकित्सा पालीक्लिनिक का किया उद्घाटन, गांव के विकास कार्यों के लिए मुख्यमंत्री ने की 21 लाख रुपये की घोषणा

गजब हरियाणा न्यूज/डॉ जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने किसानों से अपील की है कि वे अपनी फसलों में रासायनिक खादों और कीटनाशकों का अत्यधिक उपयोग करने से बचें। उन्होंने कहा कि हमारी आने वाली पीढ़ी सशक्त और मजबूत हो, इसके लिए हमें प्राकृतिक खेती की ओर बढना होगा। किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे न केवल मिट्टी की उर्वरा बनी रहती है, बल्कि पर्यावरण और स्वास्थ्य पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने हेतु हरियाणा सरकार किसानों को एक देसी गाय की खरीद पर 30 हजार रुपये तक की सब्सिडी प्रदान कर रही है, जिससे वे गो-आधारित जैविक विधियों को अपनाकर टिकाऊ कृषि की दिशा में आगे बढ़ सकेंगे।

मुख्यमंत्री सोमवार को जिला कुरुक्षेत्र के गांव बिहोली में राजकीय पशु चिकित्सा पालीक्लिनिक के उद्घाटन करने उपरांत उपस्थित जन को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने गांव के विकास कार्यों के लिए 21 लाख रुपये देने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लगभग 4 करोड़ 67 लाख रुपये की लागत से बना यह पॉलीक्लिनिक आसपास के क्षेत्र के पशुओं को विशेष पशु चिकित्सा सेवाएं प्रदान करेगा। इस पॉलीक्लिनिक में पैथोलॉजी, पैरासिटोलॉजी, गायनोकोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, सर्जरी, अल्ट्रासाउंड, एक्स-रे जैसी सेवाओं के साथ-साथ इनडोर एवं आउटडोर इकाइयाँ भी उपलब्ध रहेगी। साथ ही, यह संस्थान विशेषज्ञ पशु चिकित्सा अधिकारियों, तकनीशियनों और सहायक स्टाफ से सुसज्जित होगा, जिससे यह एक आदर्श पशु चिकित्सा केन्द्र के रूप में स्थापित होगा।

वर्तमान समय में पशुपालन क्षेत्र में आ रही चुनौतियों का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज दुधारू पशुओं की कीमत हजारों में नहीं, लाखों में है। भूमिहीन और छोटे किसानों के लिए इतना महंगा पशु खरीदना मुश्किल होता है। यदि वह खरीद भी लेता है तो उसे पशु के स्वास्थ्य की चिंता रहती है। इन हालातों में पशु चिकित्सा संस्थानों का महत्व बहुत बढ़ गया है।

उन्होंने कहा कि इस समय पूरे राज्य में 6 राजकीय पशु चिकित्सा पालीक्लिनिक चल रहे हैं। ये सिरसा, जींद, रोहतक, भिवानी, सोनीपत और रेवाड़ी में स्थित हैं। अब कुरुक्षेत्र का यह पॉलीक्लिनिक 7वां केन्द्र बन गया है। उन्होंने कहा कि जिला कुरुक्षेत्र में इस समय 49 राजकीय पशु चिकित्सालय एवं 72 राजकीय पशु औषधालय चल रहे हैं। इनमें पशु चिकित्सकों के 51 पदों में से 47 पद तथा वी.एल.डी.ए के 130 में से 119 पद भरे हुए हैं।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि राज्य सरकार लगातार गौवंश के संरक्षण और संवर्धन के लिए कार्य कर रही है। पिछले 10 वर्षों में राज्य में लगभग 650 गौशालाएं खोली गई हैं। वर्ष 2014 से पहले गौशालाओं के लिए सरकार का बजट मात्र 2 करोड़ रुपये था, जबकि आज वर्तमान सरकार ने इस बजट को बढ़ाकर 500 करोड़ रुपये से अधिक किया है ताकि कोई भी गौवंश बेसहारा न रहे।

दुग्ध उत्पादन में हरियाणा अग्रणी

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि उन्हें प्रदेश के किसानों और पशुपालकों पर गर्व है, जिनकी कड़ी मेहनत से हरियाणा को पशुपालन में विशेष पहचान मिली है। हालांकि, राज्य में देश के दुधारू पशुओं का मात्र 2.1 प्रतिशत हिस्सा है, फिर भी हम देश के कुल दूध उत्पादन का 5.11 प्रतिशत योगदान करते हैं। वर्ष 2023-24 में हरियाणा ने 1 करोड़ 22 लाख 20 हजार टन दूध का उत्पादन किया था। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि हमारे प्रगतिशील पशुपालक इसमें लगातार बढोतरी करते जाएंगे। हमारी प्रति व्यक्ति प्रतिदिन दूध उपलब्धता भी राष्ट्रीय औसत से 2.34 गुणा है। राष्ट्रीय औसत 471 ग्राम है, जबकि हरियाणा की 1105 ग्राम है। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य नस्ल सुधार करके और अधिक दूध का उत्पादन करना है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक प्रोत्साहन योजना के तहत सामान्य दूध उत्पादकों को 5 रुपये प्रति लीटर तथा गरीब परिवारों के दूध उत्पादकों को 10 रुपये प्रति लीटर की दर से सब्सिडी दी जाती है। इतना ही नहीं, सहकारी दुग्ध उत्पादक समितियों के दुग्ध उत्पादकों के 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले दसवीं के बच्चों को 2,100 रुपये व बारहवीं कक्षा के लिए 5,100 रुपये की छात्रवृत्ति दी जाती है। सहकारी दुग्ध उत्पादक समितियों के दुग्ध उत्पादकों का 10 लाख रुपये का दुर्घटना बीमा करवाया जाता है। अब तक कुल 78 बीमा दावों के लिए 4 करोड़ 40 लाख रुपये का भुगतान किया जा चुका है।

उन्होंने कहा कि राज्य के पशुपालकों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए पंडित दीनदयाल उपाध्याय सामूहिक पशुधन बीमा योजना के अन्तर्गत बड़े पशु की दूध उत्पादन क्षमता अनुसार 100 रुपये से 300 रुपये तथा छोटे पशु जैसे- भेड़, बकरी व सूअर इत्यादि का केवल 25 रुपये प्रति पशु के अनुसार प्रीमियम पर बीमा किया गया है। राज्य के अनुसूचित जाति के लाभार्थियों के पशुओं का बीमा मुफ्त किया जाता है। इस योजना के तहत वर्ष 2014 से अब तक 15.90 लाख पशुओं का बीमा किया जा चुका है। इस अवधि में 97 करोड़ 40 लाख रुपये के कुल 24,576 बीमा दावों का निपटान किया गया। इस योजना में पंजीकृत दुधारू पशु की मृत्यु होने पर एक लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता का प्रावधान किया गया है।

डेयरी स्थापित करने के लिए ब्याज अनुदान

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में डेयरी स्थापित करने पर लाभार्थियों को 20 से 50 दुधारू पशुओं की इकाई की खरीद हेतु लिये गये बैंक ऋण पर ब्याज अनुदान उपलब्ध करवाया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, 2, 4 तथा 10 दुधारू पशुओं की डेयरी इकाइयां स्थापित करने पर 25 प्रतिशत अनुदान दिया जाता है। इसके अलावा, राज्य में देसी गायों के उत्थान हेतु हरयाना, साहीवाल और बेलाही नस्ल की अधिक दूध देने वाली गायों के पालकों को 5,000 रुपये से लेकर 20,000 रुपये तक का प्रोत्साहन दिया जाता है। इस योजना के तहत अक्तूबर, 2014 से अब तक 16,921 पशुपालक लाभान्वित हुये।

लाडवा में कांग्रेस की तुलना में वर्तमान सरकार के समय हुए ढाई गुना ज्यादा विकास कार्य

लाडवा विधानसभा क्षेत्र में किए गए विकास कार्यों का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि 2024 से अब तक इस क्षेत्र में लगभग 110 करोड़ रुपये के विकास कार्य हुए हैं, कुछ पूरे हो गए हैं और कुछ प्रक्रियाधीन है। इसके अलावा, पिछले 10 वर्षों में वर्तमान सरकार ने लाडवा विधानसभा क्षेत्र में 794 करोड़ रुपये के विकास के कार्य करवाए हैं। जबकि कांग्रेस के शासनकाल में इस क्षेत्र में मात्र 310 करोड़ रुपये के विकास कार्य हुए हैं। जनता जानती है कि किस प्रकार उस समय भ्रष्टाचार होता था।, परंतु हमारी सरकार ने योजनाबद्ध तरीके से न केवल लाडवा, बल्कि हर विधानसभा क्षेत्र में समान रूप से विकास कार्य करवाए हैं।

उन्होंने कहा कि हर घर गृहिणी योजना के तहत प्रदेश में 17 लाख महिलाओं को 500 रुपये में गैस का सिलेंडर उपलब्ध करवाया जा रहा है। लाडवा क्षेत्र में 9240 परिवारों को 500 रुपये में गैस सिलेंडर मिल रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत इस क्षेत्र में 364 मकान बनाए गए हैं और 249 मकानों निर्माणाधीन हैं।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार विकास को लेकर अब दोगुना नहीं, बल्कि तीन गुणा गति से काम कर रही है। सरकार ने अपने संकल्प पत्र में किए गए संकल्पों में से 22 संकल्पों को पूरा कर दिया है और 90 संकल्प इसी वर्ष पूरे होंगे।

राज्य सरकार कर रही प्राकृतिक खेती और पशु चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार: कृषि मंत्री

कृषि एवं किसान कल्याण, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री श्याम सिंह राणा ने पॉलीक्लिनिक का उद्घाटन करने के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस पॉलीक्लिनिक से यहां पशुओं को और बेहतर चिकित्सा सुविधाएं मिलेंगी।

उन्होंने कहा कि भारत एक कृषि प्रधान देश है, और हरियाणा राज्य भी इसी परंपरा का हिस्सा है। राज्य सरकार न केवल पारंपरिक खेती को बढ़ावा दे रही है, बल्कि किसानों की आय में वृद्धि हेतु पशुपालन, बागवानी तथा मछली पालन जैसे वैकल्पिक क्षेत्रों को भी सशक्त रूप से प्रोत्साहित कर रही है।

उन्होंने कहा कि हरित क्रांति के दौरान देश में अन्न उत्पादन बढ़ाने के लिए रासायनिक खादों और कीटनाशकों का अत्यधिक उपयोग किया गया, जिससे समय के साथ मानव स्वास्थ्य, पशुधन और भूमि की गुणवत्ता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा। इससे मिट्टी की उर्वरता भी क्षीण हो गई। ऐसे समय में यह आवश्यक हो गया है कि हम प्राकृतिक खेती की ओर पुनः लौटें।

कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने बताया कि गुरुकुल परिसर में लगभग 180 एकड़ भूमि पर प्राकृतिक खेती की जा रही है, जो एक प्रेरणादायक मॉडल है। किसानों को इस मॉडल से सीख लेकर प्राकृतिक कृषि को अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती से न केवल पौष्टिक और स्वास्थ्यवर्धक अन्न का उत्पादन होगा, बल्कि इससे भूमि की उपजाऊ शक्ति में सुधार होगा और भूजल स्तर के पुनर्भरण में भी मदद मिलेगी।

उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने हेतु देसी गाय की खरीद पर 30,000 रुपये तक की सब्सिडी दी जा रही है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती से उत्पादित उपज का सही रेट मिले, इसके लिए हमारी सरकार मंडी भी बनाएगी। उन्होंने कहा कि हर परिवार अपने घर में एक गाय अवश्य रखे।

इस मौके पर कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा, पूर्व राज्य मंत्री सुभाष सुधा, भाजपा जिला अध्यक्ष तिजेंदर सिंह गोल्डी, चेयरमैन धर्मवीर मिर्जापुर, मुख्यमंत्री के मीडिया सचिव प्रवीण अत्रे, मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रभारी कैलाश सैनी, पशुपालन, डेयरी विभाग के महानिदेशक डा. प्रेम सिंह, उपायुक्त नेहा सिंह, पुलिस अधीक्षक नीतीश अग्रवाल, एसडीएम अमन कुमार, जिला परिषद की चेयरपर्सन कंवलजीत कौर, सुभाष कलसाना, मंडल अध्यक्ष अमरेंद्र सिंह, मंडल अध्यक्ष विकास शर्मा, सरपंच बिहोली आशा रानी, जितेंद्र खैरा, देशराज शर्मा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

संपादकीय.....

विश्व रत्न बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर: जातिवाद के खिलाफ संघर्ष और आत्म-सम्मान की प्रतीक

बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर, विदेश और भारतीय समाज के एक अद्वितीय और प्रभावशाली व्यक्तित्व माने जाते हैं। उनका जीवन जातिवाद, सामाजिक असमानता और धार्मिक भेदभाव के खिलाफ लड़ने की एक प्रेरणादायक कहानी है। उनकी प्रसिद्ध उक्ति, हिंदू पैदा तो हुआ हूं, लेकिन हिंदू मरूंगा नहीं, उनकी विचारधारा और उनके संघर्षों का सारांश प्रस्तुत करती है। इस लेख में हम उनके जीवन की गहराई में जाएंगे और उनके विचारों, संघर्षों और सामाजिक परिवर्तन की दिशा में दिए गए उनके योगदान पर विस्तृत चर्चा करेंगे।

प्रारंभिक जीवन और शिक्षा

बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को मध्य प्रदेश के एक महार परिवार में हुआ था। वे भारतीय समाज के सबसे निचले स्तर की जातियों में से थे। उनके पिता एक सैनिक थे, जिनका स्थानांतरण बार-बार होता था, जिसके कारण डॉ अंबेडकर को कई विद्यालयों में पढ़ाई करनी पड़ी। स्कूल में डॉ अंबेडकर को अछूत कहकर बुलाते थे, जिससे उन्हें गहरा मानसिक आघात पहुँचा। उन्हें अपने साथी छात्रों से अलग रखा जाता था, और जलपान के समय उन्हें अलग से खाने के लिए दिया जाता था।

इस भेदभाव ने उनके मन में एक ठोस भावना पैदा की कि समाज में व्याप्त जातिवाद को समाप्त करना चाहिए। बाबा साहब ने अपने जीवन में शिक्षा को एक प्रमुख औजार माना और इसे सामाजिक परिवर्तन के लिए आवश्यक समझा। उन्होंने मुंबई विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री प्राप्त की और आगे की पढ़ाई के लिए अमेरिका और इंग्लैंड गए। वहाँ उन्होंने आर्थिक और राजनीतिक विज्ञान में डॉक्टरेट की डिग्री प्राप्त की।

जातिगत भेदभाव और समाज में परिवर्तन की आवश्यकता

अपने जीवन के प्रारंभिक वर्षों में डॉ अंबेडकर ने जो भेदभाव देखा, उसने उन्हें भारतीय समाज की कटु सच्चाइयों का सामना कराया। उन्हें पुन:-रक्ति करने वाले जातीय असमानताएँ और सामाजिक अन्याय ने उनके विचारों को गहराई से प्रभावित किया। डॉ अंबेडकर ने महसूस किया कि भारतीय समाज में जातिवाद का जड़ तोड़ना आवश्यक था।

उन्होंने 1927 में 'महाड जल सत्याग्रह' का नेतृत्व किया, जिसमें उन्होंने पानी के एक सार्वजनिक टैंक का उपयोग करने का प्रयास किया, जो केवल ऊँची जातियों के लिए था। यह संघर्ष उनके ताजगी भरे अंदाज और साहस का प्रतीक था। यह संघर्ष अछूतों के अधिकारों के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ था और अंबेडकर की सामाजिक साक्षरता के लिए एक कुंजी बनी।

सामाजिक और राजनीतिक आंदोलन

डॉ. अंबेडकर ने विभिन्न सामाजिक आंदोलनों का नेतृत्व किया, जिनका उद्देश्य अछूतों के अधिकारों को मान्यता और समानता दिलाना था। उन्होंने 1930 में अपने सहयोगियों के साथ 'दूल्हा' आंदोलन की शुरुआत की, जो अछूतों के विवाह की कठिनाइयों के खिलाफ था। इसके अलावा, उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के भीतर दलितों के अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने का कार्य किया, लेकिन उन्होंने महसूस किया कि कांग्रेस, जो मुख्यत: उच्च जातियों का प्रतिनिधित्व करती थी, अछूतों के अधिकारों के लिए पर्याप्त योगदान नहीं दे रही थी।

डॉ. अंबेडकर ने 1942 में बौद्ध धर्म की ओर अग्रसर होने का फैसला किया। उनका मानना था कि बौद्ध धर्म में समानता और बंधुत्व के सिद्धांत हैं, जो भारतीय समाज में जातिवाद की या किसी भी प्रकार की भेदभाव की अनुमति नहीं देते।

भारतीय संविधान का निर्माण

1947 में भारत की स्वतंत्रता के बाद, डॉ. अंबेडकर को भारतीय संविधान के निर्माण के लिए चुना गया। उन्होंने सुनिश्चित किया कि संविधान में विभिन्न सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक अधिकारों का समावेश हो। संविधान के अनुच्छेद 15 और 17 में जातिवाद के खिलाफ प्रतिबंध लगाने वाले प्रावधान थे।

इस तरह, डॉ अंबेडकर ने सुनिश्चित किया कि भारतीय संविधान में अछूतों और सामाजिक रूप से अक्षम वर्गों के अधिकारों की रक्षा के लिए ठोस प्रावधान शामिल हों। उन्हें इस बात का पूरा विश्वास था कि एक प्रभावी संविधान ही भारत में सामाजिक न्याय और समानता की दिशा में लंबी दूरी तय कर सकता है।

धार्मिक परिवर्तन और उसके पीछे का उद्देश्य

1956 में, बाबा साहब ने बौद्ध धर्म अपनाने का निर्णय लिया, जो कि उनके जीवन का एक महत्वपूर्ण मोड़ था। उन्होंने अपने अनुयायियों के साथ नागपुर में बौद्ध धर्म को स्वीकार किया और यह सामाजिक बदलाव को गति देने का एक साधन बना। यह निर्णय उन सभी लोगों के लिए एक प्रेरणा बना, जो अपने अधिकारों की खोज में थे और जातीय भेदभाव से मुक्त होना चाहते थे।

सामाजिक प्रभाव और विचारधारा

डॉ. अंबेडकर के विचार और कार्य भारतीय समाज में एक स्थायी छाप छोड़ गए। उन्होंने जातिगत भेदभाव, सामाजिक असमानता और धार्मिक अत्याचार के खिलाफ आवाज उठाई। वे अपने जीवन के अंतिम समय तक सामाजिक न्याय के लिए लड़ते रहे।

बाबा साहब के योगदान के कारण आज हम एक ऐसे समाज में जी रहे हैं, जहां संविधान ने सभी नागरिकों को समान अधिकार दिए हैं। उनकी यह उक्ति 'हिंदू पैदा तो हुआ हूं, लेकिन हिंदू मरूंगा नहीं' हमें यह समझाती है कि पहचान और आत्मा की स्वतंत्रता का क्या महत्व है।

डॉ. भीमराव अंबेडकर का संपूर्ण जीवन संघर्ष, समर्पण और परिवर्तन का प्रतीक रहा है। उनका योगदान न केवल भारतीय संविधान की रचना में महत्वपूर्ण था, बल्कि उन्होंने समाज में व्याप्त भेदभाव के खिलाफ भी आवाज उठाई। उनका जीवन हमें सिखाता है कि समाज में असमानताओं को समाप्त करने के लिए हमें संघर्ष करना चाहिए और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहना चाहिए। उनकी दूरदर्शिता और साहस आज भी हमें प्रेरित करते हैं और भारतीय समाज में परिवर्तन लाने का मार्ग दिखाते हैं। डॉ. अंबेडकर का ये विश्वास कि वे एक दिन अपना धर्म चुनेंगे और अपने अधिकारों की रक्षा करेंगे, हमें आज भी उत्कृष्टता, समानता और सामाजिक न्याय के प्रति हमारी जिम्मेदारी का अहसास कराता है।

डॉ जरनैल सिंह रंगा, संपादक

सच और अनुभव 'जिंदगी के सफर में सार्थकता का महत्व'

जीवन एक अद्वितीय और जटिल यात्रा है जिसमें समय की धारा के साथ आगे बढ़ने का सुझाव तो बहुत मिलता है, लेकिन क्या यह सच है कि हमें हमेशा वक्त के साथ चलना चाहिए? नहीं, कभी-कभी हमें खुद को सच के साथ जोड़ने की आवश्यकता होती है। इस लेख में हम समझेंगे कि जिंदगी को सही तरीके से जीने के लिए हमें क्या करना चाहिए और क्यों समय के साथ चलने की बजाय सच के साथ चलना अधिक महत्वपूर्ण है।

समाज में यह धारणा व्याप्त है कि समय के साथ चलना सफलता का प्राथमिक मंत्र है। यह सच है कि वक्त के साथ प्रगति और नवाचार अति आवश्यक हैं, लेकिन क्या यह अनिवार्य है कि हम अपनी नैतिकता और मूल्यों को त्याग दें? क्या हम केवल समय के रथ पर सवार होकर चलने के लिए विवश हैं? समय की धारा में अगर हम अपने मूल्यों और सच को खोते जा रहे हैं, तो क्या यह प्रगति कहलाएगी? वास्तविकता यह है कि सफलता का सच्चा मायने तब होता है जब हम अपने मूल्यों को मजबूती से बनाए रखते हैं, चाहे वक्त किसी भी दिशा में क्यों न जा रहा हो। हमें अपने सिद्धांतों पर अडिग रहते हुए अपने लक्ष्य की ओर बढ़ना चाहिए।

यकीन मानिए जिंदगी कुल्फी की तरह है, इसे टेस्ट करो या वेस्ट करो। यह अनूठी उपमा जीवन के अनुभवों को व्यक्त करती है। कहानी यह नहीं है कि हमें जीवन में हर चीज़ का अनुभव करना चाहिए, बल्कि यह है कि हमें अपने अनुभवों का सकारात्मक मूल्यांकन करना चाहिए।

जब हम कुल्फी का स्वाद लेते हैं, तो उसे केवल एक ठंडी मिठाई समझकर नहीं छोड़ सकते। हमें उसके स्वाद का आनंद लेना चाहिए, उसकी खुशबू और विशेषताओं को पहचानना चाहिए। किसने कहा कि जीवन का हर अनुभव मीठा नहीं होगा? लेकिन यही तो इसकी खासियत है—हमें हर स्वाद और अनुभव का स्वागत करना चाहिए।

अगर हम जिंदगी के अनुभवों को बेकार मानते हैं और उनसे सीखना नहीं चाहते हैं, तो जीवन धारा में बहता रहेगा, लेकिन हम अपनी मंजिल से दूर रह जाएंगे। यह समझदारी आवश्यक है कि हम हर अनुभव से सीखें और उसका सही उपयोग करें। हमें चाहिए कि हम जीवन में जो भी सीखते हैं, उसे आगे बढ़ने के लिए फायदेमंद बनाएं।

पिघलने की प्रक्रिया

पिघलना जीवन का एक अनिवार्य हिस्सा है। वक्त के साथ सब कुछ बदलता है और हमें भी बदलने के लिए तैयार रहना चाहिए। लेकिन यह महत्वपूर्ण है कि हम इस प्रक्रिया में अपने अनुभव और सीखने की क्षमता को बनाए रखें।

जब हम पिघलते हैं, तो इसका मतलब यह नहीं है कि हम कमजोर हो गए हैं। दरअसल, पिघलने की प्रक्रिया हमें मजबूत बनाती है। जब हम अपने अनुभवों को अपनाते हैं और वास्तविकता का सामना करते हैं, तब हम खुद को और मजबूत बनाते हैं। पिघलने का अर्थ है परिवर्तन और विकास; यह आवश्यक है कि हम बदलाव को अपनाएं और उसमें एक नई शुरुआत देखने का प्रयास करें।

सच के साथ चलने का अर्थ है कि हम अपने विश्वासों और नैतिकताओं से समझौता किए बिना अपनी यात्रा को जारी रखें। यह मुश्किल हो सकता है, लेकिन अंतत: यही मार्ग हमें सच्चे आत्म-सम्मान, संतोष, और दीर्घकालिक सफलता की ओर ले जाता है।

सच के साथ जुड़कर चलने से हमें आत्म-विश्वास मिलता है, और हम समाज में भी एक सकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं। वास्तविकता का सामना और सच को स्वीकार करना हमारे लिए विकास का मार्ग प्रशस्त करता है। यही नहीं, समाज में अक्सर हम देख सकते हैं कि सच बोलने वाले लोगों को यथास्थिति को बदलने में सफलता मिलती है, भले ही वह कितनी भी कठिनाई से गुज़र रहे हों।

व्यक्ति के लिए यह आवश्यक है कि वह सच और अनुभव के बीच संतुलन बनाए। हमें यह समझने की आवश्यकता है कि सिर्फ सच पर टिके रहना ही पर्याप्त नहीं है, किन्तु उसका सही अनुभव करना, उसे अपने जीवन में लागू करना और उससे सीख लेना भी बेहद जरूरी है।

अगर हम सिर्फ अनुभव पर निर्भर होते हैं, तो हम कभी-कभी झूठी और भ्रामक धारणाओं में गिर सकते हैं। दूसरी ओर, अगर हम केवल सच पर जोर देते हैं और अनुभवों को नजरंदाज करते हैं, तो हम अपने जीवन के लिए जरूरी पाठ नहीं सीख पाएंगे। इसलिए, हमें चाहिए कि हम दोनों के बीच एक संतुलन स्थापित करें।

इस जीवन यात्रा में वक्त और अनुभव दोनों महत्वपूर्ण हैं। लेकिन हमें यह समझने की आवश्यकता है कि हमें सच के साथ चलने का साहस रखना चाहिए। हमारी जिंदगी कुल्फी की तरह है—हम इसे टेस्ट कर सकते हैं या इसे वेस्ट कर सकते हैं। यदि हम पिघलते हैं लेकिन अनुभवों का सही मूल्यांकन करने में सक्षम हैं, तो हम अपनी यात्रा को एक अद्भुत अनुभव में बदल सकते हैं।

सच्चाई, अनुभव और लगातार सीखने की प्रक्रिया हमें जीवन के अनमोल अवसरों का सही उपयोग करने में मदद करेगी। इसलिए, सच के साथ चलिए और अपने जीवन को एक नया अर्थ दीजिए। अंत में, यही आपके अनुभवों का सार होगा जो आपको उनके रास्ते की कठिनाइयों से पार पाने में मदद करेगा।

डॉ जरनैल सिंह रंगा

प्रदेश की गौशालाओं को गौसंर्वधन योजना से बनाया जाएगा आत्म निर्भर: नायब सैनी

गजब हरियाणा न्यूज/डॉ जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश की गौशालाओं को आत्म निर्भर बनाने के लिए सरकार ने गौसंर्वधन योजना को अमलीजामा पहनाने का काम किया है। इस योजना के तहत गऊशालाओं में बायोगैस प्लांट स्थापित किए जाएंगे। इस योजना का आगाज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यमुनानगर में प्रदेश के पहले गौसंर्वधन बायोगैस प्रोजैक्ट का शिलान्यास किया है। इस प्रोजैक्ट पर 90 करोड़ रुपए की राशि खर्च होगी। अहम पहलू यह है कि प्रदेश सरकार ने भी पंजीकृत 683 गऊशालाओं के लिए 595 करोड़ रुपए के बजट का प्रावधान किया है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सोमवार को लाडवा विधानसभा के गांव मथाना के गौवंश धाम एवं अनुसंधान केन्द्र में गौ-चिकित्सालय के शिलान्यास कार्यक्रम में बोल रहे थे। इससे पहले मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गौ चिकित्सालय का शिलान्यास किया। इसके उपरांत मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा, पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, गौ सेवक राजेन्द्र गावड़ ने लगभग 6 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले गौ चिकित्सालय के निर्माण के लिए भूमि पूजन किया और नींव भी रखी। इसके साथ ही गौशाला व चिकित्सालय के प्रांगण में त्रिवेणी लगाई और मंत्रोच्चारण के बीच गऊ पूजन भी किया। इस दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गौ चिकित्सालय के लिए 21 लाख रुपए की अनुदान राशि देने की घोषणा भी की है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि मथाना में गौ सेवक राजेंद्र सिंह गावड़ द्वारा आधुनिक गौशाला और अत्यधिक पशु अस्पताल का निर्माण करवाया जाएगा। इस निर्माण के बाद लाडवा क्षेत्र में बेसहारा गौवंश सडक़ों पर नहीं घूमेगा। इसके साथ ही बीमार गौवंश का इलाज भी होगा। इस क्षेत्र के पशुपालकों को भी अपने पशुओं का इलाज करवाने की यहां पर सुविधा प्राप्त होगी। यह निर्माण कार्य गौ सेवक राजेंद्र सिंह गावड़ के अनुदान व अन्य सहयोग से किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश की गौशालाओं में चारा के लिए 270 करोड़ रुपए की राशि जारी की जा चुकी है। पिछले वर्ष 608 गौशालाओं में 166 करोड़ रुपए की राशि जारी की गई थी और 310 गौशालाओं में शैड के लिए 30 करोड़ रुपए जारी किए जा चुके हैं। इस प्रदेश में गायों की सुरक्षा के लिए सरकार ने सख्त कानून भी बनाए हैं।

331 गौशालाओं में लगाए गए सौर उर्जा प्लांट, 344 में चल रहा निर्माण

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि गौ माता की सेवा हमारे धर्म और संस्कृति का एक अभिन्न अंग है। सरकार द्वारा गौसंरक्षण पर लगातार बल दे रही है। प्रदेश में आर्थिक और औद्योगिक विकास के साथ-साथ धार्मिक पहचान को भी बरकरार रखने की सोच को लेकर आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि सरकार ने इस वित्त वर्ष में एक लाख एकड़ में प्राकृतिक खेती करने का लक्ष्य रखा है। प्राकृतिक खेती के लिए देशी गाय की जरुरत होती है। इसके लिए प्रदेश सरकार ने प्रति देशी गाय खरीदने पर 30 हजार रुपये की सब्सिडी दी जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार ने पंचायत की गौचरान भूमि को गौशालाओं के लिए दिए जाने का प्रावधान किया गया है। इसके गौशालाओं में रहने वाले बेसहारा गौवंशों के लिए चारा का प्रबंध हो सके। प्रदेश में 331 गौशालाओं में सौर ऊर्जा प्लांट स्थापित किये जा चुके हैं। 344 गौशालाओं में शीघ्र ही सौर उर्जा प्लांट स्थापित किये जाएंगे। इस सौर ऊर्जा प्लांटों पर सरकार द्वारा 90 फीसदी सब्सिडी दी जा रही है।

गौशालाओं में शैड, पानी और चारे की व्यवस्था के लिए सरकार ने 8 करोड़ रुपए की राशि जारी की

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सरकार ने प्रदेश में तीन गौ-अभ्यारण का निर्माण करने का फैसला लिया है, इनमें गांव नैन, ढोढर और पंचकूला को चुना है। गौशालाओं में शैड, पानी और चारे की व्यवस्था के लिए सरकार ने 8 करोड़ रुपए की राशि जारी की है। गौशाला में शैड बनाने के लिए हर गौशाला को 10-10 लाख देने की घोषणा की थी, 50 गौशालाओं में शैड का निर्माण पूरा कर लिया है और बाकी गौशालाओं में भी शैड का निर्माण जल्द ही पूरा किया जाएगा। गौशालाओं के सहयोग के लिए सरकार ने विशेष योजना तैयार की है। वित्त वर्ष के बजट में गौशालाओं के लिए 595 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है जबकि वर्ष 2014 से पहले की सरकार ने बजट में मात्र 2 करोड़ रुपए गौशालाओं के लिए रखे हुए थे। वर्ष 2014 में प्रदेश की 214 पंजीकृत गौशालाओं में 1.74 लाख गौवंश था। भाजपा की सरकार ने गौवंश के लिए विशेष योजना तैयार की और अब 683 पंजीकृत गौशालाएं हैं, इनमें 4.5 लाख गौवंश उपलब्ध है।

मुख्यमंत्री को मथाना पंचायत ने सौंपा मांग पत्र

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को गांव मथाना की सरपंच अंजना देवी और प्रतिनिधि रवि कुमार ने गांवों की मांगों का मांग-पत्र सौंपा। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी मांगों को संबंधित विभागों के पास भेजकर उनको चैक करवाकर पूरा करवाया जाएगा। कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने उपस्थित लोगों की समस्याएं और शिकायतों को भी सुना। लोगों के शिकायत पत्र लेकर अधिकारियों को उनके समाधान के निर्देश दिए।

बच्चों व खुद के स्वास्थ्य के लिए प्राकृतिक खेती को अपनाएं किसान: श्याम सिंह राणा

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि हमारा देश कृषि प्रधान देश है। यहां पर भगवान श्रीकृष्ण ने गायों को चराया, धर्म का संदेश देने के लिए महाभारत की और खुद रथ का घोड़ों को चलाया। उन्होंने कहा कि हमारे देश में तीन तरह की खेती की जा रही है। इनमें रासायनिक खेती, जैविक खेती और प्राकृतिक खेती शामिल है। अपने बच्चों व खुद के स्वास्थ्य के लिए प्राकृतिक खेती की जरूरत है। इसके लिए सरकार द्वारा देशी गायों और जीवामृत बनाने के लिए सामान पर सब्सिडी दे रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार में किसान की फसल का पैसा आढ़तियों के पास जाता था, लेकिन भाजपा की सरकार ने जिसकी फसल उसका पैसा नीति पर काम करते हुए किसानों के खेतों फसल का पैसा भेजा का काम किया है। किसानों को कम पैदावार होने पर भावांतर भरपाई योजना के तहत सरकार द्वारा सहयोग दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि देश का इतिहास रहा है कि देशी गाय का गोबर और दूध बहुत ही महत्वपूर्ण है। इतना ही नहीं गाय को राष्ट्रीय माता का दर्जा दिया हुआ है।

गौ सेवक राजेन्द्र गावड़ ने भी अपने विचार व्यक्त किए। गांव की सरपंच अंजना देवी व सरपंच प्रतिनिधि रवि कुमार ने मेहमानों का स्वागत किया। इस कार्यक्रम में पूर्व सरपंच तेजपाल मथाना ने मेहमानों का आभार व्यक्त किया। इसके उपरांत गौशाला कमेटी की तरफ से प्रधान तेजपाल, सरपंच प्रतिनिधि रवि कुमार, सरपंच अंजना देवी ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को स्मृति चिन्ह भेंट किया। इसके अलावा कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा, चेयरमैन श्रवण कुमार गर्ग, पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, चेयरमैन धर्मवीर मिर्जापुर को भी स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।

बहन मायावती ने क्यों खाली किया दिल्ली आवास जेड प्लस सिक्योरिटी के बाद भी सुरक्षा को खतरा ?

दिल्ली । बसपा यानी बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती ने दिल्ली स्थित बंगला खाली कर दिया है। कहा जा रहा है कि उन्होंने यह फैसला सुरक्षा कारणों से लिया है। हालांकि, अब तक बसपा की ओर से इस फैसले को लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा है। खास बात है कि करीब 10 साल पहले भी उन्होंने सुरक्षा कारणों का हवाला दिया था और तत्कालीन लुटियन्स स्थित बंगले के सामने से बस स्टॉप को हटाया गया था।

बहन मायावती ने बीते सप्ताह 35, लोधी ऐस्टेट बंगला खाली कर दिया है। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि 20 मई को उन्होंने बंगला खाली कर दिया था और चाभी सी.डब्ल्यू.डी.पी यानी सेंट्रल पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट को सौंप दी थी। फिलहाल, बसपा के वरिष्ठ नेता मायावती के इस फैसले पर चुप्पी साधे हुए हैं। वहीं, अखबार से बातचीत में राष्ट्रीय महासचिव मेवा लाल ने कहा कि उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है।

ऐसा है बंगला

मायावती ने आवास ऐसे समय पर बदला है, जब लोकसभा चुनाव 2024 में बेहद खराब प्रदर्शन के बाद बसपा का राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा सवालों में घिरा हुआ है। उन्होंने टाइप 7, 35 लोधी एस्टेट बंगला आवंटित किया गया था। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि बंगले में 2 दर्जन से ज्यादा कमरे हैं।

खास बात है कि 35, लोधी एस्टेट आवास पार्टी के ही 29, लोधी एस्टेट दफ्तर के ठीक पीछे वाली रोड पर है। पार्टी दफ्तर का पिछला गेट 35, लोधी एस्टेट की तरफ ही खुलता है। दोनों ही बंगलों का पिछले साल रिनोवेशन इस तरह से कराया गया था कि वे एक जैसे लगें।

क्यों बदला घर

गोपनीयता की शर्त पर एक बसपा पदाधिकारी ने कहा कि मायावती ने घर बदलने का फैसला 'सुरक्षा कारणों' से लिया है। उन्होंने कहा, 'सिर्फ 100 मीटर की दूरी पर उसी रोड पर एक स्कूल है। कई बार 35, लोधी एस्टेट के सामने स्कूल वैन पार्क होती हैं। जो माता-पिता बच्चों को लेने या छोड़ने आते हैं, वो भी उसी रोड पर वाहन पार्क करते है। अब बहनजी के सुरक्षाकर्मी भी अपने वाहन वहीं पार्क करते हैं। ऐसे में उन्हें और स्कूल के बच्चे दोनों को ही असुविधा होती है।'

उन्होंने मायावती के जेड प्लस सिक्योरिटी को लेकर कहा कि वह जब भी आवास पर होती हैं, तो सुरक्षाकर्मी बम स्क्वॉड के साथ इलाके की तलाशी लेते हैं, जिससे स्कूल और वहां आने वाले लोगों को असुविधा होती है।

पुलिस का पक्ष

अखबार के अनुसार, दिल्ली पुलिस के सूत्रों का कहना है कि उन्हें मायावती के आवास के बाहर सुरक्षा से जुड़ी किसी मामले की जानकारी नहीं है, लेकिन उनकी सुरक्षा में लगी जेड प्लस सिक्योरिटी को घर खाली करने की जानकारी दे दी गई है। अखबार का कहना है कि फिलहाल बंगले के बाहर सी.डब्ल्यू.डी.पी का एक गार्ड मौजूद है और मायावती के सुरक्षाकर्मी भी गेट से जा चुके हैं।

सोनू बंगड ने फ्रांस पहुंचने पर किया भारतीय सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का स्वागत

गजब हरियाणा न्यूज/डॉ जरनैल रंगा

दिल्ली । रविवार को भारतीय सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल, जिनका नेतृत्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद कर रहे हैं, आतंकवाद के खिलाफ भारत का रुख बताने के लिए फ्रांस पहुंचा। इस प्रतिनिधिमंडल का स्वागत भारतीय मूल के सोनू बंगड ने किया, जिन्होंने कहा, 'आज भारतीय प्रतिनिधिमंडल से मिलकर बहुत अच्छा लगा और गर्व महसूस हुआ।'सोनू ने भारत सरकार के प्रतिनिधिमंडल द्वारा आतंकवाद के सवाल पर विभिन्न देशों में जाकर जानकारी साझा करने को सराहनीय कदम बताया और कहा कि इससे सभी देश एकजुट होकर आतंकवाद का समापति कर सकते हैं। उन्होंने यह भी चर्चा की कि 'आतंकवाद सभी देशों के लिए खतरनाक है।'

बता दें, भारतीय दूतावास के अनुसार, इस सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में विभिन्न राजनीतिक दलों के कई सांसद और एक पूर्व राजनयिक शामिल हैं। इसमें भाजपा सांसद दग्गुबाती पुरंदेश्वरी, एम जे अकबर, गुलाम अली खटाना, और समिक भट्टाचार्य शामिल हैं। इसके साथ ही, कांग्रेस सांसद अमर सिंह, शिवसेना (यूबीटी) से प्रियंका चतुर्वेदी, और पूर्व राजनयिक पंकज सरन भी इस प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा हैं। प्रतिनिधिमंडल का मुख्य उद्देश्य फ्रांस, ब्रिटेन, जर्मनी, यूरोपीय संघ, इटली और डेनमार्क का दौरा करते हुए 22 अप्रैल के पहलगाम आतंकवादी हमले पर भारत की प्रतिक्रिया और सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ भारत की व्यापक लड़ाई के बारे में अंतर्राष्ट्रीय साझेदारों को जानकारी देना है। यह दौरा भारत के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे विदेशों में भारत की चिंताओं को स्पष्ट किया जा सकेगा और आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता को बढ़ावा मिलेगा।

तीन दिवसीय जिला टेनिस प्रतियोगिता में में दिखाई प्रतिभा एंजल ने ब्रॉन्ज, आरजू ने सिल्वर और साना ने जीता गोल्ड पदक

गजब हरियाणा न्यूज/नरेंद्र धूमसी

करनाल । करनाल क्लब में आयोजित तीन दिवसीय जिला टेनिस प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने अपने शानदार खेल कौशल और जोश से सभी का मन मोह लिया। यह प्रतियोगिता 24 मई से 26 मई तक करनाल क्लब में आयोजित की गई थी, जिसमें जिले भर से खिलाड़ियों ने भाग लिया और खेल भावना का परिचय देते हुए श्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता में करनाल के विधायक जगमोहन आनंद मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और कहा कि इस प्रकार की खेल प्रतियोगिताएं युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। प्रतियोगिता में लड़कियों ने विशेष रूप से उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। एंजल ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए ब्रॉन्ज मेडल, साना ने उत्कृष्ट रणनीति और तेज तर्रार खेल से गोल्ड मेडल, और आरजू मलिक ने दमदार प्रदर्शन के साथ सिल्वर मेडल अपने नाम किया। इन खिलाड़ियों की मेहनत और समर्पण ने प्रतियोगिता को खास बना दिया। विजेताओं को नकद पुरस्कार भी दिए गए जिनमे जिनमे ब्रॉन्ज विजेता को 5000, सिल्वर विजेता को 7000 और गोल्ड विजेता को 8000 का पुरस्कार मिला।

समापन के अवसर पर विजेताओं को मेडल और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। उपस्थितजन ने सराहना करते हुए कहा कि भविष्य में ये खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर जिले का नाम रोशन करेंगे। करनाल क्लब के आयोजकों ने प्रतियोगिता के सफल आयोजन पर खुशी जाहिर की और भविष्य में ऐसे और आयोजनों की रूपरेखा तैयार करने की बात कही।

हिसार की बेटी और भिवानी की बहू प्रियंका सौरभ को मिला 'सामाजिक सरोकार पत्रकारिता नारद सम्मान 2025'

कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने मानव रचना यूनिवर्सिटी, फरीदाबाद में किया सम्मानित

गजब हरियाणा न्यूज/ गुरावा

गुरुग्राम/फरीदाबाद । देवर्षि नारद जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित राज्य स्तरीय पत्रकार सम्मान समारोह में हरियाणा की चर्चित लेखिका, कवयित्री एवं स्वतंत्र पत्रकार प्रियंका सौरभ को 'सामाजिक सरोकार पत्रकारिता नारद सम्मान – 2025' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान हरियाणा सरकार के कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल द्वारा मानव रचना यूनिवर्सिटी, फरीदाबाद के सभागार में प्रदान किया गया।

प्रियंका सौरभ, जो हिसार के गाँव आर्य नगर की बेटी और भिवानी के गाँव बड़वा की बहू हैं, ने अपने लेखन के माध्यम से सामाजिक न्याय, महिला सशक्तिकरण, शिक्षा, पर्यावरण और लोकतांत्रिक मूल्यों की पक्षधरता की है। उनका लेखन जनसरोकारों की आवाज़ बन चुका है।

इस आयोजन का सफल संचालन विश्व संवाद केंद्र, हरियाणा द्वारा किया गया, जो पिछले 10 वर्षों से देवर्षि नारद जयंती के अवसर पर पत्रकारों को सम्मानित करता आ रहा है। इस वर्ष का आयोजन 25 मई 2025 को किया गया।

विश्व संवाद केंद्र, हरियाणा के सचिव राजेश कुमार ने जानकारी देते हुए कहा, देवर्षि नारद भारतीय पत्रकारिता के आदर्श माने जाते हैं। आज के संदर्भ में ऐसे पत्रकारों को सम्मानित करना ज़रूरी है, जो निडर होकर समाज की सच्चाइयों को सामने लाते हैं। प्रियंका सौरभ का लेखन इसी विचारधारा को आगे बढ़ाता है।

सम्मान स्वीकार करते हुए प्रियंका सौरभ ने कहा कि यह सम्मान मेरी कलम का नहीं, उन आवाज़ों का है जिन्हें समाज अक्सर अनसुना कर देता है। मैं प्रयासरत हूँ कि मेरी लेखनी उनके हक और हकीकत को सामने लाती रहे।

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने विधानसभा अध्यक्ष की चाची के निधन पर किया शोक व्यक्त

गजब हरियाणा न्यूज/अमित बंसल

घरौंडा । केंद्रीय ऊर्जा, आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने रविवार को हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण के चाचा स्वर्गीय श्री रणजीत सिंह कल्याण की धर्मपत्नी श्रीमती गुरूबचनी देवी के निधन पर उनके निवास स्थान कल्याण फार्म पहुंचकर शोक व्यक्त किया तथा शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी।

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि स्वर्गीय श्रीमती गुरूबचनी देवी एक धार्मिक और शालीन महिला थीं, जिन्होंने अपना जीवन आध्यात्मिक मूल्यों और पारिवारिक सद्भाव के लिए समर्पित किया। उन्होंने कहा कि परिवार में अपनो का जाना बेहद दुखद होता है लेकिन संसार में जीवन और मृत्यु निश्चित है। श्रीमती गुरूबचनी देवी मिलनसार व्यक्तित्व की धनी थी, उनके जाने से समाज के लिए भी अपूर्णीय क्षति है। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण से उनकी चाची जी के जीवन के बारे में विस्तार से जाना। स्वर्गीय श्रीमती गुरु बचनी देवी का निधन 19 मई को हो गया था।

अन्य परिवार जनों से मिलने के बाद केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने विधानसभा अध्यक्ष हरविंदर कल्याण से लगभग एक घंटे तक अलग से चर्चा की। गौरतलब है कि कल्याण की गिनती मनोहर लाल के करीबी व विश्वासपात्रों में होती है। इस अवसर पर पूर्व मंत्री सुभाष सुधा, पूर्व मंत्री विशम्भर वाल्मीकि, इनेलो के प्रदेश अध्यक्ष रामपाल माजरा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति व प्रशासनिक अधिकारी भी उपस्थित थे।

बता दें कि कल्याण फार्म पर गणमान्य व्यक्तियों व प्रशासनिक अधिकारियों के आने का सिलसिला जारी है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, पूर्व नेता प्रतिपक्ष अभय चौटाला सहित अन्य मंत्रीगण ने हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण के चाचा स्वर्गीय श्री रणजीत सिंह कल्याण की धर्मपत्नी श्रीमती गुरु बचनी देवी के निधन पर उनके निवास स्थान कल्याण फार्म पहुंचकर शोक व्यक्त किया तथा शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी।

शिरोमणि सतगुरु रविदास जी: अनमोल वचनों से जीवन की सीख

शिरोमणि सतगुरु रविदास जी एक महान संत, कवि और समाज सुधारक थे, जिनका जन्म 15वीं सदी में हुआ था। उनकी शिक्षाएँ न केवल धार्मिक और आध्यात्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण हैं, बल्कि समाज में व्याप्त बुराइयों के खिलाफ संघर्ष की भी प्रेरणा देती हैं। उनके अनमोल वचन आज भी नई पीढ़ी को सही मार्ग दिखाने का कार्य करते हैं। यहाँ हम गुरु रविदास जी के शिक्षाओं और उनके अनमोल वचनों को अधिक विस्तार से समझते हैं।

शिरोमणि सतगुरु रविदास जी ने अपने जीवन में जातिवाद के खिलाफ चेतना जगाई। उन्होंने कहा:

रविदास' जन्म के कारनै, होत न कोउ नीच, नर कूँ नीच करि डारि है, ओछे करम की कीच॥

इस पंक्ति का अर्थ है कि जाति या जन्म के आधार पर किसी को नीच नहीं समझा जाना चाहिए। हर व्यक्ति का मूल्य उसके कर्मों से है। रविदास जी का यह मानना था कि समाज में यदि किसी व्यक्ति को जाति या धर्म के आधार पर नीचा देखा जाता है, तो यह सही नहीं है। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि नीचता केवल ओछे कर्म करने से आती है, न कि जन्म से।

शिरोमणि सतगुरु रविदास महाराज जी ने यह भी कहा:

जाति-जाति में जाति हैं, जो केतन के पात, रैदास मनुष ना जुड़ सके जब तक जाति न जात।

इस वाक्य में वे जातिवाद के सिद्धांत की आलोचना कर रहे हैं। जब तक हम जाति की संकीर्ण सोच से बाहर नहीं निकलेंगे, तब तक हम एक समाज के रूप में पूरी तरह से नहीं जुड़ सकेंगे।

प्रेम का विचार गुरु रविदास जी के विचारों का मुख्य आधार है। उन्होंने प्रेम की स्वाभाविकता और उसकी गहराई के बारे में बताया:

रैदास प्रेम नहिं छिप सकई, लाख छिपाए कोय। प्रेम न मुख खोलै कभऊँ, नैन देत हैं रोय।

यह उद्धरण बताता है कि प्रेम को छिपाया नहीं जा सकता। यह एक ऐसी भावना है, जो स्वयं में अत्यंत प्राकृतिक होती है और आँखों के माध्यम से प्रकट होती है। गुरु ने यह कहा कि सच्चे प्रेम को कभी भी छिपाया नहीं जा सकता और यह अपने आप को प्रकट करता है।

गुरु रविदास जी ने पराधीनता को एक गंभीर पाप कहा। उनके शब्द थे:

पराधीनता पाप है, जान लेहु रे मीत। रैदास दास पराधीन सौं, कौन करै है प्रीत।

इस उद्धरण में, रविदास जी पराधीनता के महत्व को समझाते हुए कहते हैं कि जो व्यक्ति पराधीन है, वह अपने अस्तित्व और प्रेम को पहचानने में सक्षम नहीं हो सकता। स्वतंत्रता का महत्व अतुलनीय है, और हमें इसकी रक्षा करनी चाहिए। उनका यह संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है।

शिरोमणि सतगुरु रविदास जी ने हमें यह समझाया कि ईश्वर को कहीं बाहर नहीं, बल्कि मन के भीतर खोजा जाना चाहिए:

काबे और कैलाश में जिन कु ढूंढन जाए, रविदास प्यारा राम तो बैठा है मन माहे।

इस पंक्ति का तात्पर्य है कि जो लोग काबा और कैलाश में ईश्वर की खोज में हैं, उन्हें समझना चाहिए कि राम तो उनके मन में ही विराजित हैं। यह विचार हमें आत्मा के शोध की प्रेरणा देता है और यह सिखाता है कि ईश्वर का अनुभव हमारे भीतर ही है।

शिरोमणि सतगुरु रविदास जी ने मानव जीवन के दो पहलुओं पर प्रकाश डाला:

रविंदास मनुख के बसन कौ दोई ठाव, एक सुख स्वराज मंह दूजा मरघट गांव।

इस उद्धरण का अर्थ है कि मनुष्य के जीवन में दो रास्ते हैं; एक मार्ग सुख और स्वतंत्रता की ओर है, जबकि दूसरा मार्ग दुख और मृत्यु की ओर है। यह हमें यह समझाता है कि जीवन में आनंद और स्वतंत्रता की खोज करनी चाहिए, और कठिनाइयों का सामना करते हुए आगे बढ़ना चाहिए।

सतगुरु रविदास जी ने जो विचार साझा किए हैं, वे हमें यह सोचने पर मजबूर करते हैं कि समाज में सकारात्मक बदलाव की आवश्यकता है। उनका सरल लेकिन गहरा संदेश हमें यह याद दिलाता है कि आध्यात्मिकता का वास्तविक अर्थ केवल पूजा-पाठ में नहीं है, बल्कि मानवता की सेवा करने और सभी के प्रति प्रेम और करुणा प्रदर्शित करने में है।

सतगुरु रविदास जी के अनमोल वचन आज के आधुनिक समाज के लिए एक महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। उनका जीवन और कार्य हमें जातिवाद, भेदभाव और पराधीनता के खिलाफ उठ खड़े होने की प्रेरणा देते हैं। प्रेम, करुणा और मानवता के प्रति समर्पण ही उनके उपदेशों का मुख्य आधार है। हमें इन शिक्षाओं को अपनाकर एक ऐसा समाज बनाने की दिशा में अग्रसर होना चाहिए, जहाँ सभी के लिए प्रेम, समानता और स्वतंत्रता का वातावरण हो। उनका विचार हमें मानवता के प्रति सजग बनाता है और यह सिखाता है कि सच्चा धर्म और भक्ति उसी में निहित है, जब हम समाज में बदलाव लाने का प्रयास करें।

डॉ जरनैल सिंह रंगा

गरीब व कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों को आगे बढ़ाने के लिए सीबीएसई बोर्ड की क्लासेस शुरू: पूर्व कैबिनेट मंत्री

गजब हरियाणा न्यूज/दीक्षित

जगाधरी । पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल ने गवर्नमेंट मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल सरस्वती नगर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की। राजकीय आदर्श संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सरस्वती नगर में कक्षा 10वीं व कक्षा 12वीं में अच्छा प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित करने के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल ने होनहार छात्र-छात्राओं को उनकी सफलता के लिए सम्मानित किया। कार्यक्रम में स्कूल के विद्यार्थियों ने भारतीय सेना के पराक्रम को दर्शाती हुई ओपरेशन सिंदूर की रंगोली भी बनाई, ओपरेशन सिंदूर को दर्शाती रंगौली की पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल सहित सभी ने प्रशंसा की।

होनहार विद्यार्थियों के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल ने कहा कि उन्होंने अपने पिछले कार्यकाल में शिक्षा मंत्री रहते हुए सरकारी विद्यालयों में सीबीएसई बोर्ड की क्लासेस इसलिए शुरू की थी क्योंकि सरकारी विद्यालय में ज्यादातर गरीब व कमजोर तबके के वर्ग के विद्यार्थी पढ़ते हैं जिन्हें आगे चलकर सीबीएसई बोर्ड वालों से कंपटीशन फेस करना पड़ता था उसी के लिए उन्होंने हर ब्लॉक में सरकारी स्कूल को सीबीएसई बोर्ड से जोड़ा था जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं और संस्कृति स्कूलों में अब पहले से ज्यादा एडमिशन हो रहे हैं।

खंड शिक्षा अधिकारी पीरथी सैनी ने हरियाणा सरकार द्वारा सरकारी स्कूलों में प्राइवेट स्कूलों की तर्ज पर आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए हरियाणा सरकार का धन्यवाद किया व कहा कि अब हरियाणा के सरकारी स्कूलों में पढने़ वाले बच्चे भी नीट, आई टी व आईआईएम में पहुंच रहे हैं। विद्यालय प्रधानाचार्य विरेन्द्र धीमान व एच एस एल ए प्रधान विनोद सैनी ने पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल का सरकारी विद्यालयों में आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए धन्यवाद किया।

8 बैचों में 290 जनप्रतिनिधियों को दिया गया प्रशिक्षण, महिला सरपंचों ने बढ़चढ़ कर लिया भाग

गजब हरियाणा न्यूज/सुखबीर

यमुनानगर । जिला परिषद कार्यालय में मुख्य कार्यकारी अधिकारी वीरेन्द्र सिंह ढुल के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान योजना के अंतर्गत पंचायती राज संस्थानों के निर्वाचित प्रतिनिधियों के लिए दो दिवसीय रिफ्रेशर ट्रेनिंग प्रोग्राम 28 अप्रैल से 3 जून 2025 तक जिला यमुनानगर के वर्तमान सरपंचो के लिए आयोजित किया जा रहा है। जिसमें कुल 11 बैच बनाए गए है एक बैच 2 दिन का है। अब तक खंड व्यासपुर, छछरौली, प्रतापनगर जगाधरी व रादौर के सरपंचो को प्रशिक्षण दिया गया है। आगामी बैच नम्बर 9 खंड साढौरा के जनप्रतिनिधियों के लिए 26 व 27 मई को जिला परिषद कार्यालय में आयोजित किया जाएगा।

जिला परिषद के अध्यक्ष रमेश चन्द, मुख्य कार्यकारी अधिकारी वीरेन्द्र सिंह ढुल व उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी जसविन्द्र सिंह द्वारा जिला के सरपंचों को इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य व अन्य पंचायती राज अधिनियम के विषयों के बारे में विस्तार से जानकारी दी जा रही है व उच्च अधिकारियों के मार्गदर्शन से इस प्रशिक्षण के लिए दूरभाष व व्हाटसअप ग्रुप के माध्यम से कार्यालय से आमंत्रण पत्र सरपंचों को भेजे जा रहे है ताकि कोई भी जनप्रतिनिधि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम से वंचित ना रहे।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी विरेन्द्र सिंह ढुल ने बताया कि यह प्रशिक्षण सभी जनप्रतिनिधियों के लिए अनिवार्य हैं जिला यमुनानगर के सभी खंड के सरपंच को 100 प्रतिशत यह प्रशिक्षण दिया जाएगा यदि किसी कारण वश किसी सरपंच द्वारा इसमें भाग नहीं लिया जाता उन्हें आगामी

बैच में बुलाया जाएगा। इसके अतिरिक्त डॉ. अनूप गोयल, राजेश शर्मा एसडीओ पंचायती राज, बिंदू महिला एवं बाल विकास विभाग, विभिन्न योजनाओं के जिला योजना प्रबंधक व हरियाणा ग्रामीण विकास संस्थान नीलोखेड़ी से आए विशेषज्ञ मुकेश कुमार व महक द्वारा सरपंचो को संविधान अनुच्छेद 40, ग्राम सभा, ई-ग्राम स्वराज, स्वच्छ भारत मिशन, एच आई वी एड्स, टीबी मुक्त भारत, जल जीवन मिशन, महिला एवं बाल विकास, प्रधानमंत्री सूर्य योजना जैसे महत्वपूर्ण विषयों व संबंधित विभागीय योजनाओं पर जानकारी दी जा रही है। इस प्रशिक्षण में सरकार द्वारा जनप्रतिनिधियों को महत्वपूर्ण ट्रेनिंग किट व ट्रेवल अलाउंस प्रतिदिन 700 रुपये का दिया जाना सुनिश्चित किया गया है। जल पान व भोजन की व्यवस्था भी कार्यालय द्वारा की जा रही हैं ।

महाराणा प्रताप का जीवन साहस, बलिदान और राष्ट्र के प्रति निष्ठा का अनुपम उदाहरण : योगेंद्र राणा

करनाल कोर्ट परिसर में अधिवक्ताओं एवं जिला बार एसोसिएशन से भेंट कर राज्य स्तरीय महाराणा प्रताप जयंती समारोह का दिया निमंत्रण

गजब हरियाणा न्यूज/नरेंद्र धूमसी

करनाल । असंध विधानसभा क्षेत्र के विधायक योगेन्द्र राणा आज मंगलवार को करनाल कोर्ट परिसर पहुंचे, जहाँ उन्होंने अधिवक्ताओं एवं जिला बार एसोसिएशन के सदस्यों से भेंट कर उन्हें 29 मई को सालवन में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय महाराणा प्रताप जयंती समारोह में सादर आमंत्रित किया।

समारोह में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। यह समारोह न केवल ऐतिहासिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, बल्कि युवाओं में देशभक्ति, स्वाभिमान और संस्कृति के प्रति जागरूकता फैलाने का माध्यम भी बनेगा। विधायक राणा के करनाल कोर्ट परिसर आगमन पर जिला बार एसोसिएशन ने उनका भव्य स्वागत किया। फूल मालाओं, तालियों और गर्मजोशी भरे अभिवादन के साथ वकीलों ने उन्हें सम्मानित किया। वकीलों ने विधायक के समाज सेवा और सांस्कृतिक मूल्यों को बढ़ावा देने के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में सकारात्मक वातावरण का निर्माण होता है। विधायक योगेन्द्र राणा ने अपने संबोधन में कहा कि महाराणा प्रताप का जीवन साहस, बलिदान और राष्ट्र के प्रति निष्ठा का अनुपम उदाहरण है। उनकी जयंती न केवल एक उत्सव है, बल्कि यह हमारी सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक है। इस समारोह में आपकी उपस्थिति ही उनके प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने सभी अधिवक्ताओं से अपील की कि वे बड़ी संख्या में सालवन पहुंचकर समारोह की गरिमा को और ऊँचा उठाएं तथा राष्ट्रभक्ति की भावना को सशक्त

करें। जिला बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने विधायक राणा को विश्वास दिलाया कि वे पूरे उत्साह और सम्मान के साथ भारी संख्या में समारोह में उपस्थित होकर इसे ऐतिहासिक बनाएंगे। इस अवसर पर कोर्ट परिसर में एक उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। वरिष्ठ अधिवक्ताओं, बार पदाधिकारियों, युवा वकीलों और गणमान्य नागरिकों ने एक स्वर में कहा कि महाराणा प्रताप जैसे महापुरुषों की जयंती का आयोजन समाज में नई चेतना और प्रेरणा भरने का कार्य करता है। विधायक राणा के इस प्रयास की चारों ओर सराहना हो रही है, और सालवन में होने वाले इस राज्य स्तरीय समारोह को लेकर जनमानस में उत्साह चरम पर है। इस अवसर पर राजपूत सभा के जिलाध्यक्ष डॉ एनपी सिंह, एसोसिएशन के प्रधान सुरजीत सिंह मधान, राजकुमार चौहान, नितिन भारद्वाज, नवीन कुमार राणा, संगीता, सहित भारी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे।

अमृतवाणी

शिरोमणि सतगुरु रविदास जिओ की

कह रैदास तेरी भगति दूरि है, भाग बड़े सो पावै ।
तजि अभिमान मेटि आपा पर, पिपिलक हवै चुनि खावै ।।

जय गुरुदेव जी

व्याख्या: शिरोमणि सतगुरु रविदास महाराज जी कहते हैं कि ईश्वर की आराधना भाग्य के माध्यम से प्राप्त होती है। जो व्यक्ति अभिमान से मुक्त होता है, वह जीवन में अवश्य सफल होता है। ठीक उसी प्रकार, जैसे एक बड़ा हाथी शक्कर के दानों को नहीं उठा सकता, वहीं एक छोटी चींटी उन्हें सरलता से इकट्ठा कर लेती है।

धन गुरुदेव जी

किसी व्यक्ति के लिए पहले से ही कोई राय न बनाएं

गौतम बुद्ध का एक खास शिष्य धम्माराम आश्रम में अपना काम करता और काम पूरा होने के बाद वह एकांत में चला जाता था। वह किसी से ज़्यादा बात-चीत भी नहीं करता था।

जब धम्माराम एकांत में ज्यादा रहने लगा तो अन्य शिष्यों को लगा कि इसे घमंड हो गया है। शिष्यों ने बुद्ध से धम्माराम की शिकायतें करनी शुरू कर दी। एक दिन बुद्ध ने धम्माराम से सभी शिष्यों के सामने पूछा, 'तुम ऐसा क्यों करते हो?'

धम्माराम बोला, 'आपने कहा है कि कुछ दिनों में आप ये संसार छोड़े देंगे तो मैंने ये विचार किया है कि जब आप चले जाएंगे तो हमारे पास सीखने के लिए क्या रहेगा? इसीलिए मैंने ये तय किया कि मैं एकांत और मौन को समझ लूं, ठीक से सीख लूं। ये दो काम आपके जीते जी मैं करना चाहता हूं।'

बुद्ध ने अन्य शिष्यों से कहा, 'तुम सभी ने देखा कुछ और समझा कुछ। तुम्हारी आदत है कि तुम दूसरों की बुराई करते हो, इसीलिए तुम सभी ने धम्माराम की अच्छी बात को भी गलत रूप में लिया।'

बुद्ध की सीख: हमें किसी व्यक्ति को ठीक से जाने बिना उसके बारे में कोई राय नहीं बनानी चाहिए।

सम्राट अशोक और शाक्यानी देवी

सम्राट अशोक और शाक्यानी देवी की प्रेम कहानी। दुनिया में ऐसी और नहीं। अशोक ने रानी के लिए कोई भव्य विलासी महल नहीं बनवाया बल्कि देवी की बुद्ध धम्मश्रद्धा अनुसार सांची का भव्य स्तूप बनवाया।

वाकई दुनिया में अनूठी है प्रियदर्शी सम्राट अशोक और उज्जैनी वेदिसागिरी के धनी सेठ की पुत्री महादेवी की प्रेम कहानी।

पाटलिपुत्र के सिंहासन पर राजा बिंदुसार विराजमान थे। इसी दौरान अवंतिका जनपद के उज्जैनी राज्य में विद्रोह भड़क उठा। कुशल वीर योद्धा प्रिंस अशोक को पिता ने विद्रोह को शांत करने के लिए वायसराय बना कर उज्जैनी भेजा। उम्र कोई 18- 20 साल की होगी। बुद्ध के धम्म और अहिंसा से दूर-दूर का कोई वास्ता नहीं था।

एक दिन उज्जैन क्षेत्र के एक कस्बे में पड़ाव डाला। प्रिंस अशोक जिस मुखिया के घर ठहरे उसके पास ही नगर का शाक्य धनी सेठ रहता था। लोग प्रिंस से मिलने जा रहे थे लेकिन सेठ की पुत्री और बुद्ध की उपासिका देवी अशोक से मिलने नहीं गई। कुछ सहेलियों ने समझाया तो देवी ने बहुत स्वाभिमान के साथ प्रिंस को फूलों का हार भेंट किया।

प्रिंस अशोक देवी की सुंदरता पर मोहित हो गए। साथ में देवी के साहस और स्वाभिमान से भी बहुत प्रभावित हुए। अशोक ने देवी से विवाह करने का तय किया। देवी के पिता से प्रस्ताव रखा। पिता ने स्वीकार तो किया लेकिन यह भी कहा कि यह प्रस्ताव इसलिए नहीं स्वीकार किया है कि यह परिवार राजकुमार अशोक से डरता है।

साथ में पुत्री देवी ने यह शर्त रखी कि यदि उज्जैन क्षेत्र का विद्रोह बिना खून खराबे से शांत किया जाएगा तो अशोक से विवाह करेगी। देवी का परिवार बुद्ध के प्रेम, मैत्री और करुणा के मार्ग में विश्वास करता था।

शाक्य कुमारी देवी का पूरा परिवार व्यापार के साथ बुद्ध के धम्म के प्रति समर्पित था। वह आस-पास के विहारों में अपनी सेवाएं देती थी, खूब दान करती थी। दोनों का मिलना होता रहा।

कुछ दिन बाद अशोक को वहां से शांति के लिए जाना पड़ा, लेकिन दो दिन नहीं लौटे तो देवी के परिवार को शक हुआ। देवी पास के एक विहार में सेवा के लिए गई तो पास में अशोक एक गुफा में मिले। दरअसल वहां विद्रोहियों ने हमला कर दिया था। अशोक को सुरक्षित न देखकर देवी ने वहां कुछ दिन सेवा की। अंतत: अशोक की कुशलता से विद्रोह बिना खून खराबे के शांत हो गया। और अशोक और देवी का विवाह हो गया।

देवी, सम्राट अशोक की पहली और प्रिय पत्नी थी। विवाह के बाद देवी, अशोक को बुद्ध के धम्म की शरण में लाने के लिए निरंतर प्रयास करती रही। पुत्र, पुत्री का जन्म हुआ।

महारानी देवी अपने बच्चों की धम्म परवरिश के कारण पाटलिपुत्र की बजाए वेदिसागिरी में ही रही। वह महारानी की बजाय धम्म सेविका के रुप में रहना चाहती थी। इसलिए यहीं धम्म सेवा व प्रचार करती रही।

जब अवसर मिला तो धम्म को समर्पित इस रानी ने अपने पुत्र महेंद्र और पुत्री संघमित्रा को भगवान बुद्ध के वचनों को जगत के कल्याण के लिए प्रचार हेतु सिरीलंका भेजा। फिर वे दोनों वही के हो गए।

समय ने करवट ली। अशोक सिंहासन पर बैठे, सम्राट बने। कुछ समय बाद कलिंग युद्ध में भीषण नरसंहार हुआ। रानी देवी की बुद्ध धम्म चर्चा सम्राट अशोक के जहन में फिर याद आई, आचार्य के पास गए और अशोक बुद्ध और धम्म की शरण ऐसे गए कि फिर लौट के नहीं आए। फिर तो पूरी दुनिया को धम्म मार्ग पर ले गये।

रानी देवी की प्रबल इच्छा पर ही सम्राट ने वेदिसागिरी के सांची में ही भगवान बुद्ध का धम्म प्रतीक विशाल स्तूप बनवाया।

रानी देवी ने अपने लिए कोई विलासिता पूर्ण भव्य महल नहीं बनवाए क्योंकि शाक्य कुल की इस देवी को तो विरासत में भगवान बुद्ध का धम्म मिला था। जिसे संजोते हुए जीवन के अंत तक धम्म की महान सेवा करती रही। उन्हीं के नाम पर बेसनगर (भिलसा) शहर का नाम विदिसा रखा गया।

आपको जिज्ञासा हो सकती है कि उज्जैन क्षेत्र में शाक्य कैसे आ गए? दरअसल गौतम बुद्ध के महापरिनिर्वाण के बाद कोशल के राजा प्रसेनजीत के पुत्र बिदूडम ने दासी पुत्र कुल के कारण कपिलवस्तु में अपने ननिहाल पक्ष के शाक्य परिवारों को बहुत सताया, हमला कर मारने लगा, तो कुछ परिवार के वहां से वेदिसागिरी आ गए और यही बस कर व्यापार करने लगे। उसी एक शाक्य परिवार के कुल की धम्मपुत्री थी देवी, जिन्हें सम्मान से महादेवी, शाक्यानी, शाक्य कुमारी भी कहते हैं।

सम्राट अशोक को बुद्ध के धम्म की शरण में लाने में रानी शाक्यानी देवी का महान योगदान है। वाकई अनूठी है इनकी प्रेम कहानी। लेकिन यह कहानी उन दोनों तक ही खत्म नहीं हुई बल्कि बुद्ध के धम्म का विश्वव्यापी स्वरूप लेकर आज सम्पूर्ण मानव जगत का कल्याण कर रही हैं।

भवतु सब्बं मंगल,
सबका मंगल हो, सभी प्राणी सुखी हो

आलेख: डॉ एम एल परिहार, पाली .जयपुर - 9414242059

देवदूत

मृत्यु के देवता ने अपने एक दूत को भेजा पृथ्वी पर। एक स्त्री मर गयी थी, उसकी आत्मा को लाना था। देवदूत आया, लेकिन चिंता में पड गया।

क्योंकि तीन छोटी-छोटी लड़कियां जुड़वां--एक अभी भी उस मृत स्त्री के स्तन से लगी है। एक चीख रही है, पुकार रही है। एक रोते-रोते सो गयी है, उसके आंसू उसकी आंखों के पास सूख गए हैं--तीन छोटी जुड़वां बच्चियां और स्त्री मर गयी है, और कोई देखने वाला नहीं है। पति पहले मर चुका है। परिवार में और कोई भी नहीं है। इन तीन छोटी बच्चियों का क्या होगा?

उस देवदूत को यह खयाल आ गया, तो वह खाली हाथ वापस लौट गया। उसने जा कर अपने प्रधान को कहा कि मैं न ला सका, मुझे क्षमा करें, लेकिन आपको स्थिति का पता ही नहीं है।

तीन जुड़वां बच्चियां हैं--छोटी-छोटी, दूध पीती। एक अभी भी मृत स्तन से लगी है, एक रोते-रोते सो गयी है, दूसरी अभी चीख-पुकार रही है। हृदय मेरा ला न सका। क्या यह नहीं हो सकता कि इस स्त्री को कुछ दिन और जीवन के दे दिए जाएं? कम से कम लड़कियां थोड़ी बड़ी हो जाएं। और कोई देखने वाला नहीं है।

मृत्यु के देवता ने कहा, तो तू फिर समझदार हो गया; उससे ज्यादा, जिसकी मर्जी से मौत होती है, जिसकी मर्जी से जीवन होता है! तो तूने पहला पाप कर दिया, और इसकी तुझे सजा मिलेगी। और सजा यह है कि तुझे पृथ्वी पर चले जाना पड़ेगा। और जब तक तू तीन बार न हंस लेगा अपनी मूर्खता पर, तब तक वापस न आ सकेगा।

इसे थोड़ा समझना। तीन बार न हंस लेगा अपनी मूर्खता पर--क्योंकि दूसरे की मूर्खता पर तो अहंकार हंसता है। जब तुम अपनी मूर्खता पर हंसते हो तब अहंकार टूटता है। देवदूत को लगा नहीं। वह राजी हो गया दंड भोगने को, लेकिन फिर भी उसे लगा कि सही तो मैं ही हूं। और हंसने का मौका कैसे आएगा?

उसे जमीन पर फेंक दिया गया। एक चमार, सर्दियों के दिन करीब आ रहे थे और बच्चों के लिए कोट और कंबल खरीदने शहर गया था, कुछ रुपए इकट्ठे कर के। जब वह शहर जा रहा था तो उसने राह के किनारे एक नंगे आदमी को पड़े हुए, ठिठुरते हुए देखा। यह नंगा आदमी वही देवदूत है जो पृथ्वी पर फेंक दिया गया था। उस चमार को दया आ गयी।

और बजाय अपने बच्चों के लिए कपडे खरीदने के, उसने इस आदमी के लिए कंबल और कपडे खरीद लिए। इस आदमी को कुछ खाने-पीने को भी न था, घर भी न था, छप्पर भी न था जहां रुक सके। तो चमार ने कहा कि अब तुम मेरे साथ ही आ जाओ। लेकिन अगर मेरी पत्नी नाराज हो--जो कि वह निश्चित होगी, क्योंकि बच्चों के लिए कपड़े खरीदने लाया था, वह पैसे तो खर्च हो गए--वह अगर नाराज हो, चिल्लाए, तो तुम परेशान मत होना। थोड़े दिन में सब ठीक हो जाएगा।

उस देवदूत को ले कर चमार घर लौटा। न तो चमार को पता है कि देवदूत घर में आ रहा है, न पत्नी को पता है। जैसे ही देवदूत को ले कर चमार घर में पहुंचा, पत्नी एकदम पागल हो गयी। बहुत नाराज हुई, बहुत चीखी-चिल्लायी।

और देवदूत पहली दफा हंसा। चमार ने उससे कहा, हंसते हो, बात क्या है? उसने कहा, मैं जब तीन बार हंस लूंगा तब बता दूंगा।

देवदूत हंसा पहली बार, क्योंकि उसने देखा कि इस पत्नी को पता ही नहीं है कि चमार देवदूत को घर में ले आया है, जिसके आते ही घर में हजारों खुशियां आ जाएंगी। लेकिन आदमी देख ही कितनी दूर तक सकता है! पत्नी तो इतना ही देख पा रही है कि एक कंबल और बच्चों के पकड़े नहीं बचे।

जो खो गया है वह देख पा रही है, जो मिला है उसका उसे अंदाज ही नहीं है--मुफ्त! घर में देवदूत आ गया है। जिसके आते ही हजारों खुशियों के द्वार खुल जाएंगे। तो देवदूत हंसा। उसे लगा, अपनी मूर्खता--क्योंकि यह पत्नी भी नहीं देख पा रही है कि क्या घट रहा है!

जल्दी ही, क्योंकि वह देवदूत था, सात दिन में ही उसने चमार का सब काम सीख लिया। और उसके जूते इतने प्रसिद्ध हो गए कि चमार महीनों के भीतर धनी होने लगा। आधा साल होते-होते तो उसकी ख्याति सारे लोक में पहुंच गयी कि उस जैसा जूते बनाने वाला कोई भी नहीं, क्योंकि वह जूते देवदूत बनाता था। सम्राटों के जूते वहां बनने लगे। धन अपरंपार बरसने लगा।

एक दिन सम्राट का आदमी आया। और उसने कहा कि यह चमडा बहुत कीमती है, आसानी से मिलता नहीं, कोई भूल-चूक नहीं करना। जूते ठीक इस तरह के बनने हैं। और ध्यान रखना जूते बनाने हैं, स्लीपर नहीं। क्योंकि रूस में जब कोई आदमी मर जाता है तब उसको स्लीपर पहना कर मरघट तक ले जाते हैं। चमार ने भी देवदूत को कहा कि स्लीपर मत बना देना। जूते बनाने हैं, स्पष्ट आज्ञा है, और चमड़ा इतना ही है। अगर गड़बड़ हो गयी तो हम मुसीबत में फंसेंगे।

लेकिन फिर भी देवदूत ने स्लीपर ही बनाए। जब चमार ने देखे कि स्लीपर बने हैं तो वह क्रोध से आगबबूला हो गया। वह लकड़ी उठा कर उसको मारने को तैयार हो गया कि तू हमारी फांसी लगवा देगा! और तुझे बार-बार कहा था कि स्लीपर बनाने ही नहीं हैं, फिर स्लीपर किसलिए?

देवदूत फिर खिलखिला कर हंसा। तभी आदमी सम्राट के घर से भागा हुआ आया। उसने कहा, जूते मत बनाना, स्लीपर बनाना। क्योंकि सम्राट की मृत्यु हो गयी है।

भविष्य अज्ञात है। सिवाय उसके और किसी को ज्ञात नहीं। और आदमी तो अतीत के आधार पर निर्णय लेता है। सम्राट जिंदा था तो जूते चाहिए थे, मर गया तो स्लीपर चाहिए। तब वह चमार उसके पैर पकड़ कर माफी मांगने लगा कि मुझे माफ कर दे, मैंने तुझे मारा। पर उसने कहा, कोई हर्ज नहीं। मैं अपना दंड भोग रहा हूं।

लेकिन वह हंसा आज दुबारा। चमार ने फिर पूछा कि हंसी का कारण? उसने कहा कि जब मैं तीन बार हंस लूं...।

दुबारा हंसा इसलिए कि भविष्य हमें ज्ञात नहीं है। इसलिए हम आकांक्षाएं करते हैं जो कि व्यर्थ हैं। हम अभीप्साएं करते हैं जो कि कभी पूरी न होंगी। हम मांगते हैं जो कभी नहीं घटेगा।

क्योंकि कुछ और ही घटना तय है। हमसे बिना पूछे हमारी नियति घूम रही है। और हम व्यर्थ ही बीच में शोरगुल मचाते हैं। चाहिए स्लीपर और हम जूते बनवाते हैं। मरने का वक्त करीब आ रहा है और जिंदगी का हम आयोजन करते हैं।

तो देवदूत को लगा कि वे बच्चियां! मुझे क्या पता, भविष्य उनका क्या होने वाला है? मैं नाहक बीच में आया।

और तीसरी घटना घटी कि एक दिन तीन लड़कियां आयीं जवान। उन तीनों की शादी हो रही थी। और उन तीनों ने जूतों के आर्डर दिए कि उनके लिए जूते बनाए जाएं। एक बूढ़ी महिला उनके साथ आयी थी जो बड़ी धनी थी। देवदूत पहचान गया, ये वे ही तीन लड़कियां हैं, जिनको वह मृत मां के पास छोड़ गया था और जिनकी वजह से वह दंड भोग रहा है।

वे सब स्वस्थ हैं, सुंदर हैं। उसने पूछा कि क्या हुआ? यह बूढ़ी औरत कौन है? उस बूढ़ी औरत ने कहा कि ये मेरी पड़ोसिन की लड़कियां हैं। गरीब औरत थी, उसके शरीर में दूध भी न था। उसके पास पैसे-लत्ते भी नहीं थे। और तीन बच्चे जुड़वां। वह इन्हीं को दूध पिलाते-पिलाते मर गयी। लेकिन मुझे दया आ गयी, मेरे कोई बच्चे नहीं हैं, और मैंने इन तीनों बच्चियों को पाल लिया।

अगर मां जिंदा रहती तो ये तीनों बच्चियां गरीबी, भूख और दीनता और दरिद्रता में बड़ी होतीं। मां मर गयी, इसलिए ये बच्चियां तीनों बहुत बड़े धन-वैभव में, संपदा में पलीं। और अब उस बूढ़ी की सारी संपदा की ये ही तीन मालिक हैं। और इनका सम्राट के परिवार में विवाह हो रहा है।

देवदूत तीसरी बार हंसा। और चमार को उसने कहा कि ये तीन कारण हैं। भूल मेरी थी। नियति बड़ी है। और हम उतना ही देख पाते हैं, जितना देख पाते हैं। जो नहीं देख पाते, बहुत विस्तार है उसका। और हम जो देख पाते हैं उससे हम कोई अंदाज नहीं लगा सकते, जो होने वाला है, जो होगा। मैं अपनी मूर्खता पर तीन बार हंस लिया हूं। अब मेरा दंड पूरा हो गया और अब मैं जाता हूं।

नानक जो कह रहे हैं, वह यह कह रहे हैं कि तुम अगर अपने को बीच में लाना बंद कर दो, तो तुम्हें मार्गों का मार्ग मिल गया। फिर असंख्य मार्गों की चिंता न करनी पड़ेगी। छोड़ दो उस पर। वह जो करवा रहा है, जो उसने अब तक करवाया है, उसके लिए धन्यवाद। जो अभी करवा रहा है, उसके लिए धन्यवाद। जो वह कल करवाएगा, उसके लिए धन्यवाद।

तुम बिना लिखा चेक धन्यवाद का उसे दे दो। वह जो भी हो, तुम्हारे धन्यवाद में कोई फर्क न पड़ेगा। अच्छा लगे, बुरा लगे, लोग भला कहें, बुरा कहें, लोगों को दिखायी पड़े दुर्भाग्य या सौभाग्य, यह सब चिंता तुम मत करना।

ओशो
एक ओंकार सतनाम (गुरू नानक)

समाजसेवी महीपाल फुले का जन्मदिन केक काट कर मनाया

गजब हरियाणा न्यूज/ रविंद्र

कुरुक्षेत्र, 27 मई को सेवा स्तंभ के पदाधिकारियों द्वारा समाजसेवी महीपाल फुले का 48 वां जन्मदिन केक काट कर मनाया। इस अवसर पर उपस्थित प्रमुख अतिथियों में स्टेट कोऑर्डिनेटर रामकुमार राहुल, जिला अध्यक्ष कृष्ण चंद (रिटायर्ड रोडवेज इंस्पेक्टर), पंजाब सिंह (एफसीआई सेवानिवृत अधिकारी) , सूरजभान मेहरा (सेवानिवृत शिक्षा विभाग), राजपाल (सेवानिवृत खादी ग्राम आयोग) और प्रॉपर्टी कारोबारी विजय शामिल थे।

इस मौके पर रामकुमार राहुल ने महीपाल फुले की समाजसेवा की सराहना करते हुए कहा, महीपाल फुले एक नेकदिल इंसान हैं। उनकी सोच असहाय और आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों की शिक्षा के प्रति समर्पित है। सभी ने अपने विचारों द्वारा महीपाल की कार्यशैली की प्रशंसा की।

महीपाल फुले ने अपने जन्मदिन के दौरान उपस्थित सभी शुभ चिंतकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा, 'मैं सभी का हार्दिक धन्यवाद करता हूँ, जिन्होंने मेरे जन्मदिन पर मुझे बधाई दी। मैं परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करता हूँ कि वह सबके घर-परिवार में सुख और शांति प्रदान करें।'

इस मौके पर उपस्थित सभी साथियों को एकजुटता, सेवा और मानवता की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। माहौल में प्रेम और समर्पण की छाया स्पष्ट रूप से देखने को मिली, जिसने समाज सेवा के प्रति सभी की प्रतिबद्धता को और मजबूत किया। यह आयोजन न केवल महीपाल फुले के लिए एक विशेष दिन था, बल्कि पूरे समुदाय के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण पेश करता है कि कैसे हर एक व्यक्ति का योगदान समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकता है।

डॉ अंबेडकर भवन में माता रमाबाई की पुण्यतिथि मनाई गई

माता रमाबाई ने हर परिस्थिति में बाबा साहेब का समर्थन किया: डॉ रमन गुप्ता

गजब हरियाणा न्यूज/डॉ जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । शहर के डॉ. अंबेडकर भवन में मंगलवार को समाज सुधारक माता रमाबाई की पुण्यतिथि बड़े श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर नगराधीश डॉ. रमन गुप्ता ने मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कहा कि डॉ. भीमराव आंबेडकर ने भारत के हर वर्ग को समानता का अधिकार दिलाने का महत्वपूर्ण कार्य किया। उन्होंने कहा, 'बाबा साहेब के आदर्शों को अपनाकर हम अपने जीवन को सफल बना सकते हैं। उनके विचारों ने न केवल संविधान के माध्यम से हमें हक और अधिकार दिए, बल्कि इस देश के गरीब वर्ग और महिलाओं को आगे बढ़ने का अवसर भी प्रदान किया।'

इस कार्यक्रम में माता रमाबाई की महत्वपूर्ण भूमिका को भी रेखांकित किया गया, जिन्होंने अपनी समर्पित सेवा और भक्ति के माध्यम से बाबा साहेब की शिक्षा को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। डॉ. गुप्ता ने बताया कि माता रमाबाई ने अपने जीवन में हर परिस्थिति में बाबा साहेब का समर्थन किया, जिससे उन्हें उच्च शिक्षा हासिल करने में मदद मिली।

अंबेडकर भवन के प्रधान डॉ. रामभक्त लांगयान ने भी अपने संबोधन में माता रमाबाई के जीवन और उनके योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि माता रमाबाई ने हमेशा बाबासाहेब को प्रोत्साहित किया और कभी भी किसी कमी का अहसास नहीं होने दिया। उनकी बदौलत डॉ. आंबेडकर ने कठिनाइयों के बावजूद अपनी शिक्षा को जारी रखा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही प्रो डा. निर्मला चौधरी ने माता रमाबाई को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि बाबा साहेब और माता रमाबाई हमारे पथ प्रदर्शक हैं। यदि माता रमाबाई उपस्थित नहीं होतीं, तो डॉ. भीमराव आंबेडकर की कहानी अधूरी रह जाती। उनके आदर्श आज भी हमारे लिए प्रेरणा का स्रोत हैं।

इस खास मौके पर खासतौर पर 12वीं और 10वीं कक्षा में मेरिट प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को नकद पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया, जिससे वे अपनी शिक्षा के प्रति और अधिक प्रेरित हो सकें। कार्यक्रम में अंबेडकर भवन की ओर से सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह और शॉल देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित अन्य प्रमुख व्यक्तियों में डॉ. ज्योत्सना सिंह, डॉ. ललिता रानी, मीना चौहान, केसी रंगा, श्याम लाल, जिले सिंह सभ्रवाल, राजेंद्र भट्टी, जयपाल, डा. सुनीता, डा. सीआर जिलोआ, सुशीला तंवर, रामकरण और अन्य गणमान्य लोग शामिल थे।

पंचकूला में परिवार के 6 लोगों के साथ जान देने वाले कारोबारी प्रवीण मित्तल पर था 20 करोड़ का कर्ज

पंचकूला, एजेंसी । हरियाणा के पंचकूला जिले के सेक्टर 27 में बीती रात को एक मकान के सामने सात लोगों की मौत मामले में अब लगातार खुलासा हो रहे हैं। मृतकों में दो बुजुर्ग, तीन बच्चे और एक महिला शामिल हैं। बताया जा रहा है कि मृतक प्रवीण मित्तल पंचकूला के ही बरवाला के रहने वाले थे और बीते करीब 10 सालों से भारी कर्ज के बोझ तले दबे हुए थे। वह कुछ समय के लिए उत्तराखंड के देहरादून के कौलगढ़ भी शिफ्ट हुए थे।

परिजनों के अनुसार, परवीन पर बैंकों का एक करोड़ से अधिक का कर्ज था। उनके ससुर राकेश गुप्ता ने बताया कि बैंक वाले अक्सर उनके पास भी कर्ज की वसूली के लिए आते थे। राकेश गुप्ता ने कहा, 'मैंने कई बार उनकी आर्थिक मदद की, लेकिन पिछले कुछ समय से मेरा उनसे और मेरी बेटी से कोई संपर्क नहीं था।'

राकेश गुप्ता के मुताबिक, वे हर महीने 12,000 रुपए परवीन को भेजते थे। परवीन मनसा देवी परिसर में किराए के मकान में रहते थे। ससुर को इस हादसे की जानकारी सुबह 4 बजे क्राइम ब्रांच के जरिए मिली। इससे पहले, परिवार देहरादून में रहता था, लेकिन वहां से पता चला है कि ने अपना मकान वहां बेच दिया था और शिफ्ट हो गया था।

लुधियान के रहने वाले प्रवीण के मामा के बेटे संदीप अग्रवाल ने बताया कि वह भी लगातार परवीन की मदद करते रहे हैं। उन्होंने हाल ही में 50,000 की मदद भी की थी। संदीप ने बताया कि रात करीब 11 बजे उन्हें फोन पर सूचना मिली कि एक ही कार में छह लोगों की लाशें पाई गई हैं। पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। प्रारंभिक जांच में आत्महत्या की आशंका जताई जा रही है, लेकिन पुलिस किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

घर के बाहर खड़ी की गाड़ी और खाया जहर

प्रवीण ने अपने पूरे परिवार के साथ सेक्टर 27 में जहर खाया था। उसके साथ उसकी तीन बेटियां, एक बच्चे, पत्नी और दो बुजुर्ग थे। मौत से पहले प्रवीण ने एक चश्मदीद को बताया कि वह पंचकूला में बाबा बागेश्वर धाम धीरेंद्र शास्त्री की कथा सुनने गए थे और कर्ज ना मिलने के चलते उन्होंने जहर खा लिया।

मिली जानकारी अनुसार प्रवीण पर करीब 20 करोड़ का कर्ज था और उसे जान से मारने की धमकियां मिल रही थीं। पहले स्क्रैप फैक्ट्री चलाते थे, फिर देहरादून में टूर एंड ट्रैवल्स का काम शुरू किया जो घाटे में चला गया। फिलहाल टैक्सी चला रहे थे। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। मृतक के ससुर का आरोप है कि पुलिस सहयोग नहीं कर रही।

क्या कहना है पुलिस का

पंचकूला के डीसीपी क्राइम अमित दहिया ने कहा कि यह मामला कर्ज से जुड़ा हुआ नजर आता है। सात लोगों ने जान दी है और पुलिस हर एंगल पर जांच कर रही है। उन्होंने बताया कि सूचना मिलते ही जब हम मौके पर पहुंचे तो 6 लोग मृत पाए गए थे, जबकि एक होश में था जिसने बाद में दम तोड़ दिया। अमित दहिया ने कहा कि हनुमंत कथा वह सुनकर नहीं आए थे। ऐसा कोई मामला संज्ञान में नहीं आया है। सीसीटीवी चेक करने पर पता चला है कि शाम 6:45 बजे से गाड़ी वहीं, सेक्टर 27 में खड़ी थी और रात 10:00 बजे के बाद इस घटना को अंजाम दिया गया है। अमित दहिया ने बताया कि हमारी टीम सभी जगह गई है। वह देहरादून के अलावा, हरियाणा के कालका पिंजौर गई है। वहां पर प्रवीण के ससुर रहते हैं। इसके अलावा, मनसा देवी के सकेतड़ी में भी मकान है, जहां ये लोग रहते थे। वहां भी जाकर पुलिस जांच कर रही है।

स्वस्थ समाज ही देश की प्रगति का आधार होता है : डा0 ब्रहमजीत सिंह

गजब हरियाणा न्यूज/शेर सिंह

अंबाला, अतिरिक्त उपायुक्त डा0 ब्रहमजीत सिंह ने कहा कि स्वस्थ समाज ही देश की प्रगति का आधार होता है, हम सबका दायित्व बनता है कि जो भी नशे की गिरफ्त में है उसे नशे से बाहर निकालकर समाज की मुख्य धारा में जोडें। इसके लिए सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ मुश्तैदी से कार्य करते हुए इस कार्य को करना है और लोगों का भी इसमें सहयोग लेना है। एडीसी मंगलवार को उपायुक्त कार्यालय मे आयोजित जिला स्तरीय एनकोर्ड कमेटी की बैठक ले रहे थे।

अतिरिक्त उपायुक्त ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए संबंधित विभागों द्वारा जिलें मे नशे पर अंकुश लगाने को लेकर किए जा रहे कार्यो एवं गतिविधियों बारे विस्तार से समीक्षा की और आवश्यक दिशा- निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नशे जैसी गम्भीर बीमारी को जब जड़ से खत्म किया जाएगा तभी एक समृद्ध समाज की कल्पना की जा सकती है और इसके लिए संबंधित विभागों के साथ-साथ आमजन का सहयोग इसमें बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि नशे को रोकने के लिए हमें मिलकर कार्य करना होगा। उन्होंने ड्रग विभाग से नशे की रोकथाम को लेकर किए जा रहे कार्यो बारे जानकारी लेते हुए कहा कि वे समय-समय पर मैडिकल स्टोर पर चैकिंग करें, यदि कहीं किसी मेडिकल शॉप पर प्रतिबंधित ड्रग कि बिक्री की जा रही या कोई गैर कानूनी गतिविधियां पाई जाती है तो उसके विरूद्ध नियमानुसार तुरंत कार्रवाई अमल में लाएं। उन्होंने पुलिस विभाग को निर्देश दिए कि वे ऐसे संवेदनशील क्षेत्र जहां नशे जैसी गतिविधियां अधिक हो वहां पर संबंधित विभागों के साथ मिलकर नशे के दुष्प्रभाव बारे जागरूकता अभियान चलाया जाए और उन्हे नशे से दूर रहने बारे प्रेरित करें।

उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य व अन्य सम्बन्धित को निर्देश दिए की वे आपसी समन्वय बनाकर स्कूल, कॉलेज, आईटीआई व अन्य शैक्षणिक संस्थानों मे विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से नशे से दूर रहने बारे एवं उसके दुष्परिणामों बारे युवाओं के साथ-साथ आमजन को भी जागरूक करें। उन्होंने पुलिस विभाग के अधिकारियों को ड्रग्स जैसी गतिविधि पर नजर रखने के निर्देश दिए और साथ ही कहा कि जो भी ऐसी गतिविधि में संलिप्त पाया जाए तो उसके खिलाफ तुरंत नियमानुसार कार्रवाई अमल में लाएं। समय-समय पर चैकिंग अभियान चलाकर हर गतिविधि पर ध्यान रखें। इसके अलावा स्कूलों एवं कॉलेजो के आसपास नियमित पुलिस पेट्रोलिंग सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने कहा कि एनकोर्ड की बैठक को किए जाने का मुख्य उदेश्य जिलें में नशे पर पुरी तरह से अंकुश लगाना है इसके लिए जिला प्रशासन के साथ-साथ आमजन कि भागीदारी भी बेहद आवश्यक है।

विकसित भारत के लिए संकल्प: विकसित खेती और समृद्ध किसान

गजब हरियाणा न्यूज/शेर सिंह

अंबाला, विकसित कृषि संकल्प अभियान को सफल बनाने हेतु गांव-गांव जाकर इस अभियान के बारे में जानकारी किसानों तक पहुंचाई जा रही है। इसी कडी में केविके , अम्बाला से डा. उपासना सिंह, डा. राजेन्द्र सिंह, डा. विक्रम धीरेन्द्र सिंह, डा. अमित कुमार, डा. रमेष कुमार एवं डा. राजन मिश्र ने गांव छोटी बस्सी, जग्गूमाजरा, छज्जनमाजरा, बड़ागढ़, मंगलौर, खेडकी मानकपुर, सैन माजरा, पतरेहड़ी, बुर्ज, तंदवाल, गणेषपुर, कड़ासन, कोडवा खुर्द एवं कोडवा कलां, संतोखी, रछेडी इत्यादि गांवों में जाकर किसानों को विकसित कृषि संकल्प अभियान के बारे में जानकारी दी। डा. सिंह ने बताया कि 29 मई, 2025 से इस अभियान का शुभारम्भ किया जायेगा जिसको 12 जून, 2025 तक समापन होगा। जिसमें केविके, राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान, करनाल व अम्बाला के कृषि विभाग, बागवानी, कृषि अभियंत्रण, पषु-पालन विभाग, कृषि विज्ञान केन्द्र, अम्बाला शहर, मत्सय विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी उन्नत तकनीकें, नई किस्में, धान की सीधी बुवाई, फसल विविधिकरण, फर्म मशीनरी, प्राकृतिक खेती व सरकारी योजनाओं के बारे में किसानों को जागरूक करेंगें। अतः सभी किसान भाइयों से अनुरोध है कि इस अभियान में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर लाभान्वित हों। अधिक जानकारी हेतु कृषि विज्ञान केन्द्र, गांव तेपला, अम्बाला में सम्पर्क करें।

संत रामानंद जी का शहीदी दिवस मनाया गया

संत रामानंद जी अमृतबाणी के ज्ञाता थे: सतीश पाठी

गजब हरियाणा न्यूज/डॉ जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, गुरु रविदास नगर, कुरुक्षेत्र में रविदासिया कौम के अमर शहीद संत रामानंद जी के शहीदी दिवस पर नगरवासियों द्वारा एक भव्य कीर्तन दरबार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित संगत को भाई कार्तिक दास ने शब्द कीर्तन संगत को निहाल किया, जिससे सभी श्रद्धालुओं का मन प्रफुल्लित हुआ।

इस धार्मिक उत्सव में ग्लोबल रविदासिया वेलफेयर ऑर्गनाइजेशन भारत के अमृतबाणी विचारक भाई सतीश कुमार पाठी ने संत रामानंद महाराज जी की शहादत की गौरवगाथा को साझा किया। उन्होंने बताया कि आज के दिन संत रामानंद जी को वियना, ऑस्ट्रिया में मानव विरोधियों द्वारा गोली मारकर शहीद किया गया था। संत रामानंद जी गुरु रविदास महाराज जी की अमृतबाणी के ज्ञाता थे और उनकी कीर्तन की शैली संगत को मंत्रमुग्ध कर देती थी।

भाई सतीश ने आगे कहा, 'संत रामानंद जी ने साधारण जीवन व्यतीत किया और वे हमेशा संगत की सेवा में तत्पर रहते थे।' आज, उनके सोहलवें शहीदी दिवस पर दुनिया भर में श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किए जा रहे हैं।

यह आयोजन संत रामानंद जी की शिक्षाओं और उनके द्वारा प्रचारित मानवता के सिद्धांतों को जीवित रखने का एक प्रयास है, जो सदियों से उनके अनुयायियों के दिलों में बसा हुआ है। इस भव्य कीर्तन दरबार में सभी ने मिलकर संत रामानंद जी को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके जीवन से प्रेरणा लेने का संकल्प लिया।

इस मौके पर राजेश भोरिया, कश्मीरी लाल, कमल लांबा, रीटा सोलखे, वीरेंद्र रॉय, धर्मसिंह, कुलदीप सिंह, वीरेंद्र रविदासिया, सरोज और जिंदों सहित भारी संख्या में संगत ने शहीदी समारोह को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया और संत रामानंद जी की शहादत को याद कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट को प्रभावी तौर पर लागू करने तथा वाहनों पर काली फिल्म को मिशन मोड पर हटाने के निर्देश: राजीव रतन

गजब हरियाणा न्यूज/नरेंद्र धूमसी

करनाल । करनाल मंडल के आयुक्त राजीव रतन ने हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट (एचएसआरपी) के नियमों को प्रभावी तौर पर लागू करने तथा वाहनों पर काली फिल्म को मिशन मोड पर हटाने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने जारी आदेशों में कहा है कि जिला में हाई-सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट(एचएसआरपी) को व्यापक रूप से अपनाना और उचित तरीके से लागू करना वाहन सुरक्षा को बढ़ाने, वाहन से संबंधित अपराधों पर अंकुश लगाने और बेहतर यातायात प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि इससे सुरक्षा बनी रहेगी तथा वाहन से संबंधित बेहतर पहचान होगी। इससे वाहनों से संबंधित अपराधों में कमी आएगी और सुव्यवस्थित यातायात प्रबंधन होगा।

उन्होंने कहा कि वाहनों की खिड़कियों पर काली फिल्मों का व्यापक उपयोग महत्वपूर्ण सुरक्षा चिंताएं पैदा करता है और कानून प्रवर्तन प्रयासों में बाधा डालता है। ये फिल्में वाहनों में दृश्यता को बाधित करती हैं, जिससे अवैध गतिविधियों के लिए अनुकूल वातावरण बनता है और उस वाहन में बैठने वालों की पहचान करना मुश्किल हो जाता है। इसलिए काली फिल्मों को हटाना अति आवश्यक है, क्योंकि स्पष्ट दृश्यता आपराधिक गतिविधियों को रोकने में मदद करती है और वाहनों के भीतर संदिग्ध व्यक्तियों या वस्तुओं की पहचान आसान बनाती है। इससे कर्मियों को वाहन में बैठे लोगों पर प्रभावी निगरानी रखने तथा यातायात कानूनों और सुरक्षा प्रोटोकॉल का अनुपालन सुनिश्चित करने में सहायता मिलती है।

उन्होंने कहा कि इसके अलावा काली फिल्मों द्वारा प्रदान किए गए कवर को समाप्त करके, वाहनों का गैरकानूनी उद्देश्यों के लिए उपयोग करने की संभावना काफी कम हो जाती है।

उन्होंने कहा कि जिले में चलने वाले सभी वाहनों से काली फिल्में हटाने के लिए एक गहन अभियान शुरू करें, जोकि एक मिशन मोड में चलाएं।

उन्होंने कहा कि आमजन को इसके प्रति जागरूक करें तथा खिड़कियों पर रंग लगाने संबंधी कानूनी आवश्यकताओं और काली फिल्म के बारे में शिक्षित करने के लिए जन जागरूकता अभियान चलाएं। उन्होंने कहा कि यातायात पुलिस और अन्य संबंधित कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच समन्वित प्रयासों से को संयुक्त अभियान चलाएं।

उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि एचएसआरपी के नियमों को प्रभावी और काली फिल्मों को हटाने के लिए आमजन को जागरूक करें, जागरूकता से सुरक्षित वातावरण तैयार होगा।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का उठाएं लाभ : उत्तम सिंह

गजब हरियाणा न्यूज/नरेंद्र धूमसी

करनाल । उपायुक्त उत्तम सिंह ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा पीएम सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना चलाई जा रही है। इस योजना के तहत भारत सरकार द्वारा अधिकतम 78 हजार रुपये की सब्सिडी दी जा रही है। यह सब्सिडी पहले 1 करोड़ घरेलू आवेदको को दी जाएगी।

उन्होंने बताया कि केंद्रीय सरकार की सब्सिडी के अतिरिक्त हरियाणा के 1 लाख गरीब परिवारों को सोलर रूफटोप सिस्टम लगवाने के लिए राज्य सरकार द्वारा अधिकतम 50 हजार रुपये की सब्सिडी दी जाएगी। यह सब्सिडी पहले आओ पहले पाओ के आधार पर दी जाएगी। ऐसे परिवार जिनकी वार्षिक आय 1.80 लाख रुपये से कम है तथा 1 लाख 80 हजार रुपये से लेकर 3 लाख रुपये तक की वार्षिक आय की लाभार्थी व वार्षिक अधिकतम 2400 यूनिट की खपत वाले उपभोक्ता है, वो इस योजना का लाभ उठा सकते हैं। पहले 2 किलोवाट तक 30 हजार रुपये प्रति किलोवाट के हिसाब से 60 हजार रुपये तक सब्सिडी दी जाएगी। अगले 1 किलोवाट यानि की 2 से 3 किलोवाट तक रूपटोप सिस्टम लगवाने पर 18 हजार रुपये की सब्सिडी दी जा रही है। इस तरह से अधिकतम 78 हजार रुपये की सब्सिडी दी जा रही है।

उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार की यह बेहतरीन योजना है जिसके द्वारा समाज की गरीब वर्ग की ऊर्जा संबंधित जरूरतों को पूरा किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस योजना से गरीब परिवारों का ऊर्जा खर्च लगभग शून्य हो जाएगा। अगर खपत से ज्यादा बिजली का उत्पादन सोलर पैनल द्वारा किया जाता है तो वह बिजली के खाते में जाएगा जिसका भुगतान सरकार द्वारा उक्त मकान मालिक को किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह योजना गरीब परिवारों के सशक्तिकरण में लाभकारी होगी। योजना के तहत गरीब परिवारों को मुफ्त बिजली उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे उनके जीवन स्तर में सुधार होगा और वे आर्थिक रूप से सशक्त बनेंगे। इस योजना से सौर ऊर्जा के उपयोग को प्रोत्साहन मिलेगा, जिससे पर्यावरण प्रदूषण कम होगा और स्वच्छ ऊर्जा के स्रोतों को अपनाने में मदद मिलेगी।

योजना के बारे में इन अधिकारियों से करें सम्पर्क

उपायुक्त उत्तम सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के बारे में अधिक जानकारी के लिए www.pmsuryaghar.gov.in वेबसाइट पर जाए। इसके अलावा उपमंडल अधिकारी परिचालन शहरी परिमंडल करनाल के मोबाईल नम्बर: 9354761641, उपमंडल अधिकारी परिचालन मॉडल टाउन परिमंडल करनाल के मोबाईल नम्बर: 9354761625, उपमंडल अधिकारी परिचालन अर्ध-शहरी परिमंडल करनाल के मोबाईल नम्बर: 9354761643, उपमंडल अधिकारी परिचालन नेवल परिमंडल करनाल के मोबाईल नम्बर: 9315457382, उपमंडल अधिकारी परिचालन राम नगर परिमंडल करनाल के मोबाईल नम्बर: 9354761640, उपमंडल अधिकारी परिचालन मेरठ रोड़ परिमंडल करनाल के मोबाईल नम्बर: 9354761634 पर भी जानकारी ले सकतें है।

आज से हरियाणा के स्कूलों में गर्मी की छुटियां, 1 जुलाई को खुलेंगे स्कूल शिक्षा विभाग ने जारी किया था ऑर्डर

गजब हरियाणा न्यूज/सुदेश

Directorate School Education
विद्यालय शिक्षा निदेशालय

पंचकूला । हरियाणा शिक्षा विभाग की ओर से प्रदेश में सभी सरकारी और प्राइवेट स्कूलों में 1 जून से लेकर 30 जून 2025 तक गर्मियों की छुट्टियों का ऐलान कर दिया गया है। 30 दिन तक राज्य के सभी स्कूल बंद रहेंगे। शिक्षा विभाग द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि 1 जुलाई यानी मंगलवार को स्कूल फिर खुल जाएंगे। शिक्षा विभाग की ओर से सभी जिला और खंड शिक्षा अधिकारियों को कहा गया है कि अपने-अपने क्षेत्रों में आदेशों की पालना सुनिश्चित करें। ऐसा भी कहा जा रहा है कि गर्मी के कारण स्कूलों का समय सुबह 7 बजे से लेकर दोपहर 12 बजे तक हो सकता है। हालांकि इसे लेकर शिक्षा विभाग की तरफ से कोई आदेश जारी नहीं किया गया है।

जून में बढ़ सकती है गर्मी

हरियाणा शिक्षा विभाग के अनुसार समर वेकेशन 1 जून से 30 जून तक होता था। हर साल 30 दिन के लिए स्कूल बंद किए जाते हैं। चिलचिलाती गर्मी को ध्यान में रखते हुए प्रदेश के सभी जिलों के जिला उपायुक्त स्कूलों की छुट्टियां बढ़ाने का फैसला लेते हैं। इस बार मई के महीने में तापमान बढ़ रहा है। ऐसे में अगले महीने यानी जून में भी गर्मी बढ़ने की संभावना जताई गई है।

हालांकि मई में बीच-बीच में बारिश और ओलावृष्टि होने की वजह से लोगों को राहत मिली है। लेकिन अभी भी ज्यादातर जिलों में तापमान 40 से 45 डिग्री के बीच चला रहा है। संभावना जताई गई है कि जून में तापमान 50 डिग्री तक पहुंच सकता है। स्टूडेंट की सेहत को ध्यान में रखते हुए स्कूल को बंद करने का आदेश दिया गया है।

सत्यम-शिवम-सुंदरम संस्कृति मे विशेष महत्व: दिव्य ज्ञान रत्न

यह दिव्य ज्योति अंदर-बाहर सारी सृष्टि के कण-कण मे विद्यमान: स्वामी ज्ञाननाथ जी

मां का स्थान कोई नही ले सकता: डॉ तारासुत

गजब हरियाणा न्यूज/राहुल

अम्बाला। गांव झरमड़ी महामाई देवा शक्तिपीठ के पावन प्रांगण मे परमपूजनीय पीठाधीश्वर सतगुरुदेव श्री श्री 108 संत रामसिंह जी महाराज की रहनुमाई मे दूर-दराज से आए श्रद्धालुओ और ग्राम वासियों के सहयोग से दिन मे विशाल कीर्तन और मां की महिमा का गुणगान मशहूर सिंगर मलकीत मंगा लुधियाना और भजन गायक पूनम कटारिया चंडीगढ ने किया और रात्रि विशाल भगवती जागरण मे मशहूर भजन गायक विनोद कुमार एंड पार्टी अंबाला ने सारी रात मां भगवती की महिमा का यशोगान किया और अटूट भंडारे का आयोजन किया गया। इस शुभ अवसर पर परमश्रद्धेय 'संत शिरोमणी' 'दिव्य ज्ञान रत्न' श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर सतगुरु स्वामी ज्ञान नाथ जी महाराज गद्दीनशीन चेयरमैन निराकारी जागृति मिशन एंव राष्ट्रीय उपाध्यक्ष संत सुरक्षा मिशन भारत और चेयरमैन संत संवारनाथ चैरिटेबल ट्रस्ट बाहरी कुरुक्षेत्र कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और परमपूजनीय चित्रगुप्त अखाड़े के प्रमुख श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर डॉ. तारासुत मनुश्री सिद्धनाथ जी महाराज , उप कुलपति, काशी हिन्दी विद्यापीठ, वाराणसी उत्तर प्रदेश और राष्ट्रीय अध्यक्ष, ओम तारा ट्रस्ट वृंदावन और उनके महामंत्री पूजनीय श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर डॉ. मनुजानंद सिद्धनाथ जी महाराज के पावन कर कमलों द्वारा भगवती जागरण मे दिव्य शक्तियों के बीज मंत्रों के उच्चारण के साथ ज्योति प्रज्ज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम मे संत विकास दास जी महाराज ध्यान नाथ, विक्रम नाथ और अन्य संत भी मौजूद रहे।

कार्यक्रम मे बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित ' संत शिरोमणी, दिव्य ज्ञान रत्न ' महामंडलेश्वर सतगुरु स्वामी ज्ञान नाथ जी महाराज ने श्रद्धालुओ को संबोधित करते हुए कहा कि सभी धर्मो मे यह जो दिव्य ज्योति शुभारंभ करते हुए प्रज्ज्वलित की जाती है इसका भारत की सत्यम-शिवम-सुंदरम संस्कृति मे विशेष महत्व है। यह दिव्य ज्योति अंदर-बाहर सारी सृष्टि के कण-कण मे विद्यमान है और सभी जीवों के जिंदा रहने का कारण है। इस दिव्य ज्योति से सबकुछ पैदा होता, इसी मे कृडा करता है अंतत: इसी मे विलीन हो जाता है। मां कामख्या दस विद्या महापीठ के पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर डॉ. तारासुत जी महाराज ने अपने संबोधन मे कहा कि 'या देवी सर्वभुतेषु मातृरुपेण संस्थिता नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नम: अर्थात मां सबका स्थान ले सकती है परंतु मां का स्थान कोई नही ले सकता। यही आदिशक्ति विभिन्न स्वरुपों मे सारी सृष्टि मे विराजमान है और उत्पति, परवरिश तथा विलय के कारण है। इसके इलावा अन्य संतो ने भी साद-संगत को प्रवचनो से निहाल किया। जागरण के उपरांत संत श्री श्री 108 संत रामसिंह जी महाराज ने सभी संत महापुरुषों को शाल सिरोपा देकर सम्मानित किया और माता का अटूट भंडारा बरताया गया।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को लेकर निर्धारित शैडयूल के अनुसार लेना होगा प्रशिक्षण: नेहा सिंह

गजब हरियाणा न्यूज/डॉ जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, उपायुक्त नेहा सिंह ने कहा कि 21 जून को आयोजित होने वाले 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की जिला प्रशासन ने तैयारियां पूरी कर ली गई है। हर वर्ग के लिए प्रशिक्षण का शैडयूल जारी किया गया। निर्धारित शैडयूल के अनुसार सभी को प्रशिक्षण लेना होगा। इसके लिए संबंधित अधिकारियों को जिम्मेदारियां भी बांटी गई हैं। उन्होंने सभी अधिकारियों को अपने काम ईमानदारी और जिम्मेदार से निभाने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि 28 मई तक तीन दिवसीय प्रशिक्षण जिला के स्टेडियम, योग व्यायामशालाओं व अन्य उपयुक्त स्थानों पर आयोजित किया जाएगा। इसमें प्रवक्ता शारीरिक शिक्षा, पीटीआई व डीपीआई को प्रशिक्षण (सरकारी एवं प्राइवेट स्कूलों के प्रवक्ता शारीरिक शिक्षकों, पीटीआई व डीपीई) सम्बन्धित जिले के आयुष विभाग के योग विशेषज्ञों व आयुष योग सहायकों, योग समितियों के योग शिक्षकों तथा खेल विभाग के योग प्रशिक्षकों द्वारा दिया जाएगा। 28 मई से 30 मई तक तीन दिवसीय प्रशिक्षण जिले के सभी स्कूलों में योग प्रशिक्षण दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि 9 जून से 15 जून के मध्य योग जागरण यात्रा प्रत्येक जिले के प्रत्येक गांव में योग जागरण यात्रा निकाली जाएगी। 12 जून से 14 जून तक तीन दिवसीय प्रशिक्षण जिला तथा ब्लॉक स्तर के प्रशासनिक अधिकारी, अन्य सभी विभागों के अधिकारी/कर्मचारी, सरपंच, पंच अन्य निर्वाचित सदस्य पुलिस विभाग के अधिकारी और कर्मचारी, एनसीसी कैडेट, स्काउट कैडेट एवं इच्छुक जनसाधारण को प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके अलावा 16 जून से 18 जून तक तीन दिवसीय प्रशिक्षण जिला स्तर पर मंत्रीगण, सांसद विधायक, प्रशासनिक अधिकारी, अन्य सभी विभागों के अधिकारी और कर्मचारी, निर्वाचित सदस्य, पुलिस विभाग के अधिकारी और कर्मचारी, एनसीसी कैडेट, स्काउट कैडेट, नेहरू युवा केन्द्र स्टाफ एवं इच्छुक जन साधारण को योग प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह प्रशिक्षण सम्बन्धित जिले के आयुष विभाग के योग विशेषज्ञों व आयुष योग सहायकों, योग समितियों के योग शिक्षकों तथा खेल विभाग के योग प्रशिक्षकों द्वारा दिया जाएगा।

उपायुक्त नेहा सिंह ने कहा कि जिला आयुर्वेदिक अधिकारी द्वारा 16 जून से 19 जून के मध्य किसी एक दिन आयुष विश्वविद्यालय एवं मेडिकल शिक्षा एवं रिसर्च विभाग के साथ मिलकर योग एवं रिसर्च विषय पर संगोष्ठी/सेमिनार आयोजित की जाए। जिला स्तर पर जिला प्रशासन द्वारा योगा मैराथन का आयोजन किया जाएगा, जिसमें स्कूल, कॉलेज, गुरुकुल, विश्वविद्यालय, जन साधारण, योग संस्थान, पुलिस पर्सनल, एनसीसी कैडेट, एनएसएस, नेहरू युवा केन्द्र, स्काउट्स और गाइड्स हिस्सा लेंगें। स्कूली बच्चे अपने हाथ में योगा स्लोगन के बैनर /तख्ती लेकर चलेंगें। योग मैराथन आयोजन के मार्ग जिला प्रशासन द्वारा निर्धारित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 20 जून को प्रात: 7 बजे से 8 बजे तक सभी जिलों में मुख्य कार्यक्रम के लिए पायलट रिहर्सल होगी। अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम का आयोजन जिला स्तर तथा ब्लॉक स्तर पर किया जाएगा। जिसमें सभी जिला उपायुक्त एवं जिला आयुर्वेदिक अधिकारी कार्यक्रम के संयोजक होगें। प्रातकाल के कार्यक्रम के उपरान्त जिला उपायुक्त, जिला आयुर्वेदिक अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला खेलकूद अधिकारी सेमिनार एवं वर्कशॉप का आयोजन करेंगें।

जमीनी विवाद में भाईयों के बीच चली गोलियां, बड़े भाई को छर्रे उसकी पत्नी को लगी गोली

गजब हरियाणा न्यूज

हिसार । हरियाणा के हिसार में मंगलवार को 2 भाईयों के बीच जमीनी विवाद को लेकर गोलियां चल गई। इस दौरान 2 पक्षों के 5 लोग घायल हो गए। बड़े भाई का आरोप है की छोटे भाई ने गोलियां चलाई, जिसमें कुछ के छर्रे उसे लगे। जबकि, उसकी पत्नी के दोनों पैरों में गोली लगी है।

पत्नी को बंदूक के बट से भी पीटा गया। इसका एक वीडियो भी सामने आया है। उसका बेटा भी घायल हो गया। हिसार के सिविल अस्पताल में तीनों का इलाज चल रहा है। इससे पहले उन्हें ट्रैक्टर के नीचे कुचलने और कल्टीवेटर से काटने की भी कोशिश की गई।

उसका छोटा भाई और भाई का बेटा भी हिसार के प्राइवेट अस्पताल में भर्ती है। उनकी और से कोई बयान सामने नहीं आया है।

पुलिस बोली- दोनों पक्षों के बयान दर्ज कर कार्रवाई करेंगे

इस पर आजाद नगर थाना प्रभारी प्रवीण कुमार ने कहा कि जमीनी विवाद में 2 भाईयों के बीच झगड़ा हुआ है। गोलियां चलने की सूचना है। दोनों पक्षों के लोग घायल हुए हैं। दोनों तरफ के बयान होने के बाद आगामी कार्रवाई की जाएगी।

हरियाणा में 3 लाख रुपये से अधिक आय वाले परिवारों की हुई मौज

गजब हरियाणा न्यूज

चंडीगढ़ । हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री कुमारी आरती सिंह राव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने 3 लाख रुपये से अधिक वार्षिक आय वाले परिवारों के लिए शुरू की गई 'चिरायु आयुष्मान भारत योजना' का का विस्तार कर दिया है। यह विस्तार राज्य के प्रत्येक निवासी के लिए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा सुलभ और सस्ती सुनिश्चित करने की दिशा में एक कदम आगे है।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री कुमारी आरती सिंह राव ने घोषणा की कि संशोधित योजना के तहत, 3 लाख रुपये से अधिक और 6 लाख रुपये तक की वार्षिक आय वाले परिवार अब 4,000 रुपये का वार्षिक अंशदान देकर लाभ उठा सकते हैं। इसी तरह, 6 लाख रुपये से अधिक आय वाले परिवार 5,000 रुपये का वार्षिक अंशदान देकर योजना के तहत लाभ प्राप्त करने के पात्र होंगे।

इससे पहले, परिवार पहचान पत्र (पीपीपी) के अनुसार 1.80 लाख और 3 लाख के बीच आय वाले परिवार, सालाना 1,500 का मामूली योगदान देकर इस योजना का लाभ उठाने के पात्र थे।

यह योजना प्रति परिवार प्रति वर्ष 5 लाख तक का स्वास्थ्य बीमा कवरेज प्रदान करती है, जिससे लाभार्थियों को राज्य भर में सरकारी और सूचीबद्ध निजी अस्पतालों में कैशलेस उपचार प्राप्त करने में मदद मिलती है। यह योजना उम्र या परिवार के आकार पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाती है, यह सुनिश्चित करती है कि पात्र परिवार के सभी सदस्यों को कवर किया जाए।

पूरी तरह से डिजिटल, पेपरलेस और पारदर्शी होने के लिए डिज़ाइन की गई यह योजना प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के दिशानिर्देशों के अनुरूप संचालित होती है, जो स्वास्थ्य लाभ पैकेजों की एक विस्तृत श्रृंखला के तहत उपचार तक निर्बाध पहुंच प्रदान करती है।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि यह निर्णय न केवल गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है बल्कि श्री नायब सिंह सैनी का सपना हकीकत में तब्दील कर रहा है। उन्होंने बताया कि जैसे-जैसे यह योजना विकसित होती जा रही है, यह दूरदर्शी नेतृत्व की परिवर्तनकारी शक्ति और राज्य के लोगों के जीवन पर पड़ने वाले सकारात्मक प्रभाव का प्रमाण बन रही है।

हरियाणा के पिंजौर और गुरुग्राम में बनेगी फिल्म सिटी, 100 एकड़ जमीन की हुई पहचान, सैनी सरकार का ऐलान

गजब हरियाणा न्यूज/सुदेश

चंडीगढ़ । हरियाणा में फिल्म उद्योग को बढ़ावा देने की दिशा में सरकार की तरफ से अहम कदम उठाया गया है। हरियाणा की दो शहरों में फिल्म सिटी का निर्माण किया जाएगा। इन शहरों में फिल्म सिटी निर्माण से नए केवल कलाकारों को फायदा पहुंचेगा बल्कि स्थानीय लोगों को रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे। इन प्रोजेक्ट को लेकर जमीन की तलाश अब शुरू हो चुकी है। हरियाणा सरकार ने फिल्म उद्योग को बढ़ावा देने के लिए दो चरणों में फिल्म शहर बनाने का निर्णय लिया है। पहले पंचकूला के पिंजौर में 100 एकड़ जमीन पर फिल्म सिटी का निर्माण होगा। भूमि की पहचान हो चुकी है और सलाहकार चुने जा रहे हैं। निर्माण कार्य जल्द ही शुरू हो जाएगा।

राज्य में नौकरी के नए अवसर

गुरुग्राम को फिल्म सिटी बनाने का दूसरा लक्ष्य है। इस परियोजना के लिए जगह खोजना शुरू हो गया है। यह फिल्म सिटी कलाकारों को अवसर देगी और राज्य में नौकरी के नए अवसर भी खुलेंगे। गुरुग्राम, एक फिल्म शहर, पूरे उत्तर भारत के फिल्म उद्योग को प्रेरित कर सकता है। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय फिल्म महोत्सव के समापन समारोह में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। उन्होंने इस अवसर पर सर्वश्रेष्ठ फिल्म निर्माताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया और विश्व संवाद केंद्र को 21 लाख रुपये की मदद देने की घोषणा की।

हिंदी फिल्मों और थिएटरों को बढ़ावा मिलेगा

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि हरियाणवी फिल्मों को बढ़ावा देने के लिए प्रसार भारती से हर सप्ताह एक फिल्म को दूरदर्शन पर प्रसारित करने पर चर्चा की जाएगी। इसके साथ ही सुपवा को हर विश्वविद्यालय में फिल्म बनाने का पाठ्यक्रम शुरू करने की जिम्मेदारी दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में सिंगल स्क्रीन सिनेमा को फिर से जीवित करने की मांग पर सरकार ने फिल्म प्रमोशन बोर्ड बनाया है जो इस दिशा में काम करेगा। साथ ही, उन्होंने घोषणा की कि फिल्म सब्सिडी से जुड़े पांच लंबित आवेदनों को 30 दिनों में भुगतान किया जाएगा और नए आवेदनों की प्रक्रिया भी जल्द शुरू होगी।

हरियाणा में नया बिजली कनेक्शन मिलने की समय सीमा निर्धारित

गजब हरियाणा न्यूज

चंडीगढ़ । हरियाणा के बिजली उपभोक्ताओं के लिए अच्छी खबर है। अब बिजली उपभोक्ताओं को नया बिजली कनेक्शन लेने के लिए ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। हरियाणा विद्युत विनियामक आयोग ने बिजली कनेक्शन देने की समय सीमा निर्धारित कर दी गई है।

कनेक्शन मिलने की समय- सीमा निर्धारित

अब मेट्रोपॉलिटन शहरों में उपभोक्ताओं को आवेदन जमा करने के 3 दिन के अंदर ही बिजली कनेक्शन मिलेगा, जबकि नगर क्षेत्रों में यह कनेक्शन 7 दिनों के अंदर दिया जाएगा। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली कनेक्शन प्राप्त करने की समय सीमा 15 दिन निर्धारित की गई है।

हरियाणा सरकार ने बिजली कनेक्शन से जुड़ी सेवाओं को आसान बनाने के लिए यह कदम उठाया है। इस फैसले से बिजली उपभोक्ताओं के ऑफिस के चक्कर काटने से छुटकारा मिलेगा। अब ये सेवाएं तय समय सीमा के अंदर पूरी की जाएगी। इससे लोगों को लंबे समय तक इंतजार नहीं करना पड़ेगा।

बिजली उपभोक्ताओं को राहत

बिजली निगम के एक अधिकारी ने बताया कि बिजली उपभोक्ता द्वारा आवेदन के साथ फीस और सभी जरूरी डॉक्यूमेंट जमा करने के बाद ही समय सीमा लागू मानी जाएगी। इस नियम से यहां उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी, तो वहीं दूसरी प्रशासनिक सेवाओं में सुधार देखने को मिलेगा।

प्रकाशक, सम्पादक व मुद्रक जरनैल सिंह द्वारा ढिंगरा प्रिंटिंग प्रैस, अग्रसैन चौंक, मोहन नगर, कुरुक्षेत्र से छपवाकर कार्यालय 'गजब हरियाणा' कोठी नं0 890 पी, सैक्टर-4, अर्बन इस्टेट कुरुक्षेत्र जिला कुरुक्षेत्र, हरियाणा से प्रकाशित व मुद्रक किया। सम्पादक जरनैल सिंह (91382-03233) Registration Namber: HAR/HIN/2018/77311